संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 313
पृष्ठ 8
सोमवार
04 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मुंह के छालों से हो गए हैं परेशान...
विचार- ट्रंप और टैरिफ, अमेरिकी लोकतंत्र...
खेल- बतौर कप्तान इंग्लैंड में चमके...

मुख्यमंत्री ने यूपी पुलिस में चयनित युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वर्ष 2017 से पहले पुलिस भर्ती में भाई–भतीजावाद होता था और उसका सीधा असर राज्य की कानून–व्यवस्था पर पड़ा। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उप्र पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 1,494 सहायक परिचालकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान योगी ने चयनित कई अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ''वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में होने वाली भर्तियों में भ्रष्टाचार और भाई–भतीजावाद हावी था। उस दौरान पैसों के लेन–देन, बोली और भेदभाव ने नौजवानों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। उन्होंने कहा, ''इसका सीधा असर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पड़ा। इससे दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी, आतंकी घटनाएं बढ़ गयीं और जनता में असुरक्षा का माहौल बन गया। घटनायें गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी अयोध्या, काशी और लखनऊ की कचहरी में हमले होते थे तो कभी आतंकी हमले, एक बार सीआरपीएफ कैंप रामपुर को भी निशाना बनाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में 'डबल इंजन' की सरकार बनने पर सबसे पहले भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बड़े कदम उठाए गए। इसके तहत पुलिस भर्ती बोर्ड का सुदृढ़ीकरण किया गया। उन्होंने दावा किया कि इसी का परिणाम है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक पुलिस की भर्ती और सरकारी नौकरी देने वाले राज्यों में पहले स्थान पर है। सीएम योगी ने कहा कि अब तक राज्य सरकार साढ़े आठ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान कर चुकी है, जो पूरे देश में सबसे बड़ा आकड़ा है। वर्ष 2017 से लगातार उत्तर प्रदेश सरकार का नेतृत्व कर रहे योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस में दो लाख 17 हजार 500 से अधिक कार्मिकों की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जा चुकी है, जो देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आने के बाद निवेश भी बढ़ा, जिससे करीब दो करोड़ युवाओं को अपने जिले में ही रोजगार के अवसर मिले।

अनियंत्रित बोलेरो नहर में गिरी, 11 लोगों की मौत

● योगी ने जताया दुख और 5 लाख सहायता की घोषणा

गोंडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एक भयानक सडक दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा इटिया थोक थाना क्षेत्र में हुआ, जहां एक ओवरलोड बोलेरो अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। बोलेरो में कुल 15 लोग सवार थे, जो मोतीगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले थे और पृथ्वीनाथ मंदिर में पूजा करने जा रहे थे। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। गोंडा के एसपी विनीत जायसवाल ने बताया, 'बचाव दल ने 4 लोगों को, जिसमें 2 बच्चे और ड्राइवर शामिल हैं, सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।' पुलिस ने नहर से 11 शव बरामद किए हैं, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरुआती जांच में हादसे की मुख्य वजह ओवरलोडिंग बताई जा रही है। इस दुखद घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने पीडित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने घायलों के बेहतर इलाज के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 5–5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने चिकित्सा सुविधाओं और तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट में बघेल की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को हो सकती है सुनवाई

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव तथा पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को आशंका है कि उन्हें शराब,कोयला और महादेव सट्टा एप घोटालों में नाम आने के बाद कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है। इस गिरफ्तारी से बचने के लिए श्री बघेल ने सर्वोच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका लगाई है और न्यायालय सोमवार को उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए विचार कर सकता है। श्री बघेल ने याचिका में मांग की है कि उन्हें इन मामलों में किसी भी तरह से गिरफ्तार न किया जाए और जांच में सहयोग करने का अवसर दिया जाए।

याचिका में यह भी उल्लेख किया है कि जिस तरह उनके बेटे चौतन्य बघेल की गिरफ्तारी राजनीतिक द्वेष के चलते की गई, उसी तरह उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका जताई है कि, राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनकी गिरफ्तारी की जा सकती है। यह याचिका ऐसे समय में दाखिल की गई है जब राज्य और केंद्र की जांच एजेसिंयों – ईडी, आर्थिक अपराध शाखा समेत कई केंद्रीय जांच एजेंसियों ने संबंधित मामलों की जांच तेज कर दी है। यह याचिका सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए लिस्टिंग की गई है।इसके अलावा श्री बघेल और उनके बेटे ने सीबीआई और ईडी द्वारा की जा रही जांचों की वैधता को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है। याचिका में सवाल उठाया गया है कि सीबीआई और ईडी को छत्तीसगढ़ में जांच करने का अधिकार किस आधार पर मिला, जब राज्य सरकार ने पहले ही उनकी आम सहमति वापस ले ली थी। श्री बघेल और उनके बेटे की तरफ से दोनों केंद्रीय एजेंसियों की जांच शक्तियों और अधिकार क्षेत्र पर आपत्ति जताई गई है। सर्वोच्च न्यायालय इस याचिका पर भी सोमवार को सुनवाई करेगा।

आतंकवादियों और सुरक्षा बलों में मुठभेड़ तीसरे दिन भी जारी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में कुलगाम जिले के जंगलों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच चल रही मुठभेड़ आज तीसरे दिन में प्रवेश कर गई। इस अभियान में अब तक दो आतंकी मारे गए हैं और एक जवान घायल हो गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद जम्मू–कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना की संयुक्त टीमों ने शुक्रवार की शाम अखल खुलसन के जंगलों में तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों की वहां छिपे आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में अब तक दो आतंकवादी मारे गए हैं और एक जवान जख्मी हुआ है। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जंगल के इलाके में रात भर भीषण गोलाबारी होती रही और उनका अभियान अभी जारी है। इलाके की कड़ी घेराबंदी की गई है ताकि कोई भी आतंकी भागने में कामयाब न हो सके। दुर्गम इलाके को देखते हुए इस अभियान के लंबा चलने की संभावना है। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी कुलगाम पहुंच कर अभियान पर निगरानी बनाए हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों को इलाके में कम से कम चार आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। गौरतलब है कि कश्मीर में इस सप्ताह यह सुरक्षा बलों की आतंकवादियों से दूसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 28 जुलाई को श्रीनगर के हरवान–दाचीगाम जंगल में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा के तीन पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गये थे।

भाजपा दुष्कर्मियों को संरक्षण देना बंद करे : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर दुष्कर्मियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जहां–जहां भाजपा सरकार है वहां दुष्कर्म का आंकड़ा बढ़ रहा है और भाजपा की सरकारें इन अपराधों को रोकने में नाकाम हो रही है। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को यहां पार्टी के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशान साधा और कहा कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगोड़ा के दुष्कर्म के आरोपी पौत्र प्रज्ज्वल रमन्ना के लिए प्रचार कर लोगों से उसे वोट देने की अपील की हैं। श्री मोदी संसद से भागते हैं संसद भवन में होते हुए भी राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही चर्चा में शामिल होने नहीं आते हैं। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस देशभर में हो रही दुष्कर्म की इन घटनाओं के खिलाफ तब तक विधानसभाओं और संसद सदस्यों का घेराव करती रहेगी जब तक आरोपियों को दंड नहीं मिलता है। उन्होंने सरकार से पीड़ितों की मदद करने और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने की अपील की है। सुश्री लाम्बा ने ओडिशा की दुष्कर्म की एक जघन्य घटना का जिक्र करते हुए कहा कि 19 जुलाई को ओडिशा के पुरी में तीन लोगों ने एक नाबालिग बच्ची का अपहरण किया और उसे जिंदा जला दिया। बच्ची को दिल्ली एम्सलाया गया, जहां उस 15 साल की बच्ची ने दम तोड़ दिया। जब सवाल किया गया कि बच्ची को जलाने वाले कहां हैं, क्या उनकी गिरफ्तारी हुई, तो जवाब मिला कि बच्ची को जलाने में किसी का हाथ नहीं था। ये पुलिस और सरकार की नाकामी है। मध्य प्रदेश विधानसभा में 2022 से 2024 के बीच राज्य में दलित और आदिवासी महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाओं पर राज्य सरकार ने कहा कि 7,418 महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटना हुई है। प्रधानमंत्री पर अपराधियों को शरण देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना ने कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। ये सब मालूम होते हुए भी श्री मोदी ने उसके लिए प्रचार किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को बेहद गंभीरता से लिया। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलवाया और 15 महीने में मास रेपिस्ट को दोषी करार दे दिया गया। उन्होंने कहा,"मैं भाजपा नेताओं से कहना चाहती हूं कि अपराधियों का समर्थन करना बंद कीजिए।

7 अगस्त को राहुल गांधी के घर पर इंडिया ब्लॉक की अहम बैठक

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की अगली बैठक 7 अगस्त को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास पर होगी। सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डिनर के दौरान होगी और इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। राहुल गांधी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में करीब 70–80 सीटों पर धांधली हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत मामूली बहुमत से जीते हैं और यदि 15 सीटें भी सही तरीके से हुई होतीं, तो वो प्रधानमंत्री नहीं बन पाते। इसके साथ ही, बैठक में कई मुद्दे उठाए जा सकते हैं। जिसमें बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया, महाराष्ट्र में फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप, ऑपरेशन सिंदूर, भारत–अमेरिका व्यापार समझौता और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से संभावित टैरिफ (शुल्क) धमकी शामिल है। पिछली बैठक 19 जुलाई को वर्चुअल हुई थी, जिसमें 24 से ज्यादा दलों के नेता शामिल हुए थे।

मालेगांव मामले में बरी होने के बाद भोपाल पहुंची प्रज्ञा ठाकुर, हुआ भव्य स्वागत

भोपाल, एजेंसी। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में बरी होने के बाद, पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर रविवार को भोपाल पहुंचीं। एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया, जहां उन्होंने पत्रकारों से बात की और अपने बयानों को दोहराया। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने अपनी जीत को सत्य और धर्म की जीत बताया। उन्होंने कहा, श्सत्य की जीत हुई है, जो सुनिश्चित थी क्योंकि धर्म और सत्य हमारे पक्ष में था। सत्यमेव जयते! मैंने यह पहले भी कहा था और अब यह सिद्ध हो गया है। विधर्मियों और देशद्रोहियों के मुंह काले हुए हैं, उन्हें जवाब मिला है। देश हमेशा धर्म और सत्य के साथ है और हमेशा रहेगा। उन्होंने उन लोगों पर भी निशाना साधा, जिन्होंने श्भगवा आतंकवादश जैसे शब्द गढे थे। उन्होंने कहा कि अदालत का फैसला उन लोगों के मुंह पर एक तमाचा है, जिन्होंने इसे 'भगवा आतंकवाद' और 'हिंदू आतंकवाद' कहा। साध्वी प्रज्ञा ने कांग्रेस नेताओं, जैसे कि पृथ्वीराज चव्हाण, पर भी हमला बोला, जिन्होंने कथित तौर पर सनातन आतंकवाद की बात की थी। साध्वी प्रज्ञा ने फिर से आरोप लगाया कि उन्हें उस समय के बडे नेताओं के नाम लेने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने कहा, हां, मुझे मजबूर किया गया था। मैं दबाव में नहीं आई और मैंने किसी का भी नाम नहीं लिया, किसी को झूठा नहीं फंसाया, इसलिए मुझे इतना प्रताडित किया गया।श उन्होंने बताया कि उनसे विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जैसे बडे नेताओं का नाम लेने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि उनकी बात न मानने पर उन्हें बहुत प्रताडित किया गया। साध्वी प्रज्ञा ने पूर्व पुलिस अधिकारी परमबीर सिंह पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, श्मैंने बार–बार यह कहा है कि परमबीर सिंह बहुत निकृष्ट और अदम व्यक्ति है क्योंकि उसने हर सीमा पार की है, हर कानून को तोडा है।

'देश में बने उत्पाद खरीदने से भारत आत्मनिर्भर बनेगा', पीएम मोदी के स्वदेशी अभियान पर बोले मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को देश के सभी नागरिकों से अपील की कि वे आत्म निर्भर भारत अभियान में पूरी सक्रियता से भाग लें और भारत में बने उत्पाद ही खरीदें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी के एकजुट होकर प्रयास करने से ही आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती मिलेगी। केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि श्आत्म निर्भर भारत अभियान, एक ऐसा अभियान है, जिसमें हर भारतीय को शामिल होना चाहिए। आप जो भी सामान खरीदें, अगर आप भारत में बना सामान खरीदते हैं तो इससे आत्म निर्भर भारत अभियान को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री ने हर नागरिक से अपील की है। पीयूष गोयल ने लोकसभा और राज्य सभा में साफ किया कि भारत की नीति साफ है कि भारत के हितों का ध्यान रखा जाएगा। शनिवार को पीएम मोदी ने कहा कि जब पूरी दुनिया में अस्थिरता का माहौल है, तब भारत को अपने आर्थिक हितों के लिए चौंकन्ना रहना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों, छोटे उद्योगों का कल्याण और युवाओं के लिए रोजगार है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर 9 किलो अतिरिक्त सामान को लेकर बवाल

सैन्य अधिकारी ने कर्मचारियों को बेरहमी से पीटा

श्रीनगर, एजेंसी। श्रीनगर हवाई अड्डे पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक सैन्य अधिकारी पर स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। इस हमले में कर्मचारियों को रीढ की हड्डी में फ्रैक्चर और अन्य गंभीर चोटें आई हैं। यह घटना अतिरिक्त सामान को लेकर हुए विवाद के बाद हुई।

क्या है पूरा मामला?

यह घटना 26 जुलाई, 2025 को श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उडान ैळ–386 के बोर्डिंग गेट पर हुई। विवाद की वजह जो सामने आई है, वो यह कि सैन्य अधिकारी दो हैंड बैगेज ले जा रहे थे, जिनका कुल वजन 16 किलो था, जबकि नियम के अनुसार केवल 7 किलो की अनुमति है। जब एयरलाइन कर्मचारियों ने उन्हें अतिरिक्त सामान के बारे में बताया और शुल्क भरने को कहा, तो वे भडक गए। अधिकारी ने न सिर्फ शुल्क देने से इनकार किया, बल्कि कर्मचारियों पर बार–बार घूंसे और लातें बरसाईं। एक कर्मचारी को इतनी बुरी तरह पीटा गया कि वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया, लेकिन अधिकारी उसे लगातार मारता रहा। एक अन्य कर्मचारी को भी जबडे पर लात लगी, जिससे उसकी नाक और मुंह से खून बहने लगा।

एयरलाइन ने बताया कि अधिकारी ने सुरक्षा नियमों का भी उल्लंघन किया। वह बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए बिना ही जबरदस्ती एयरोब्रिज में घुस गए, जिसके बाद CISF (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के जवानों ने उन्हें वापस गेट पर भेजा।

स्थानीय पुलिस में अधिकारी के खिलाफ थ्प्त दर्ज कर ली गई है। सेना ने भी इस घटना का संज्ञान लिया है और जांच का भरोसा दिया है। स्पाइसजेट ने नागरिक उड्डयन नियमों के तहत उस अधिकारी को श्नो–फ्लाई सूचीश में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

स्लूज गेट बंद नहीं होने से मम्फोर्डगंज की आबादी में घुसने लगा पानी

प्रयागराज। मम्फोर्डगंज स्थित स्लूज गेट बंद करने में लापरवाही से बाढ़ का पानी आबादी में घुसने लगा। देर रात इसकी जानकारी होने पर इलाहाबाद उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी पंपिंग स्टेशन पहुंचे और अधिकारियों से बात की। बाढ़ का पानी आबादी में जाने से रोकने के लिए सिविल डिफेंस के सदस्यों ने स्लूज गेट को पूरी तरह बंद किया। स्लूज गेट से बाढ़ का पानी घुसने की सूचना पर पहुंचे सिविल डिफेंस से स्टाफ अफसर रविशंकर द्विवेदी ने बताया कि स्लूज गेट की जांच करने पर तीन फीट तक खुला मिला। गेट को तुरंत बंद कर पानी आबादी में जाने से रोका। इसके बाद स्लूज गेट खुला होने की जानकारी विधायक को दी गई। रविशंकर द्विवेदी के अनुसार शनिवार को बारिश के दौरान पंपिंग स्टेशन में बिजली के पंप भी काम नहीं कर रहे थे, जिसकी वजह से मम्फोर्डगंज स्थित पीडीए की आवास योजना में जलभराव हुआ। जांच में पंप के केबिल खराब होने का पता चला। अब बिजली विभाग पंप की केबिल बदलेगा।

जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए लगाई गई प्रदर्शनी

प्रयागराज। सामाजिक, सांस्कृतिक संस्था आकर्षण की ओर से चौरिटेबल के तहत शनिवार को सिविल लाइंस स्थित एक होटल में प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने किया। इस मौके पर 60 स्टॉल लगाए गए। इसमें डिजाइनदार कपड़े, सजावटी सामग्री, आकर्षक राखियां, राजस्थानी मेंहदी, आचार और मोटे अनाज की बनी सामग्री की काफी मांग रही। संयोजिका स्वाति ने कहा कि प्रदर्शनी से प्राप्त आय से कैंसर पीड़ितों और जरूरतमंद लोगों की मदद की जाएगी। डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने महिलाओं की रचनात्मकता और आत्मनिर्भर प्रयास की सराहना की। इस मौके पर विशेष बच्चों की ओर से बनाए गए हस्तशिल्प की वस्तुओं को लोगों ने काफी पसंद किया।

प्रदेश में रिक्त छह लाख पदों को तत्काल भरे सरकार

प्रयागराज। रोजगार अधिकार अभियान के तहत कैलाशपुरी सलोरी में शनिवार को छात्रों ने संवाद किया। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार रोजगार संकट हल करने को लेकर कतई गंभीर नहीं है। उत्तर प्रदेश में तो रिकॉर्ड सरकारी नौकरी और रोजगार मुहैया कराने का जोर–शोर से प्रचार चलाया जा रहा है। जबकि सच्चाई इससे उलट है। प्रदेश में छह लाख से ज्यादा पद रिक्त पड़े हुए हैं। चयन प्रक्रिया को जानबूझकर जटिल बनाया जा रहा है ताकि भर्तियां वर्षों अधर में लटकी रहें। इस दौरान दिल्ली में एसएससी परीक्षाओं में पारदर्शी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के सवाल पर शांतिपूर्ण धरना दे रहे छात्रों व शिक्षकों पर लाठीचार्ज की निंदा की गई। संवाद में रोजगार अधिकार अभियान के जिला कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार सिंह, युवा मंच के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आरबी पटेल, सुनील यादव, केडी सिंह, प्रदीप विश्वकर्मा, अर्जुन प्रसाद, अनुज कुमार मौर्या, हफीज, हरीश यादव, दिनेश चौधरी, प्रेमचंद, राम सिंह, पृथ्वी राज, रोशन सिंह आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, गंगा में मिला शव

प्रयागराज। दारागंज के एक युवक का शव संदिग्ध हालात में गंगा में उतराता मिला। वह बीते शुक्रवार की दोपहर घर से ड्यूटी पर जाने की बात कहकर निकला था। जहां युवक का शव बरामद हुआ उससे कुछ ही दूर से उसके कपड़े, बैग और बाइक भी मिले हैं। बक्शी खुर्द दारागंज निवासी फूलचंद्र बिंद का 32 वर्षीय बेटा शिवम बिंद एक निजी फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता था। उसका शव शनिवार को नागवासुकी मंदिर के पीछे पानी में उतराता मिला। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। शरीर पर सिर्फ अंडरवियर और बनियान था। कुछ ही दूर पर उसकी बाइक, बैग और कपड़े पड़े थे। तलाशी में मिले कागजात से शव की शिनाख्त हुई। घरवालों को सूचना दी गई तो रोते बिलखते पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शिवम की मौत कैसे हुई इसे लेकर संशय बना है।

पर्स चोरी में चोर को मिला सवा लाख कीमती मोबाइल

प्रयागराज। अहमदाबाद एक्सप्रेस में एक महिला यात्री का चोरों ने पर्स गायब कर दिया। उस पर्स में न केवल गहने बल्कि सवा लाख रुपये कीमती मोबाइल भी था। महाराजगंज निवासी रामशंकर निषाद ने प्रयागराज जीआरपी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को बताया कि ट्रेन नंबर 19490 अहमदाबाद एक्सप्रेस के कोच ए वन में बेटी शिल्पी साहनी के साथ गोरखपुर से नागदा की यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान मेरी बेटी ने लेडीज पर्स सिर के नीचे रखकर सो रही थी। जैसे ही ट्रेन छिवकी पहुंची पता चला कि उसका पर्स गायब है। पर्स में 1,29,999 रुपये कीमती एक मोबाइल, दूसरा 32,999 रुपये का मोबाइल था। इसके अलावा एक सोने की चेन, कान का टाप्स और कैश था।

बाढ़ से एक दर्जन से अधिक ट्रांसफॉर्मरों से बंद की गई आपूर्ति

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। बाढ़ के कारण बिजली व्यवस्था भी बाधित हो रही है। रविवार को तेज बारिश के कारण एक दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मर को बंद करना पड़ा। दारागंज, कीडगंज, करेली, फाफामऊ और तेलियरगंज के कछार इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित है। रविवार सुबह तेज बारिश के कारण यमुना बैंक पर स्थित फीडर को बंद करना पड़ा। वहीं झूंसी के बदरा और सनौटी इलाके में बाढ़ का पानी बढ़ने से एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई ताकि कोई हादसा न हो जाए। करेली के कछार एरिया सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। मक्का मस्जिद का फीडर बंद कर दिया गया है। इसके अलावा सर्कुलर रोड स्थित गली नंबर 21, गंगानगर कछार, पत्रकार कॉलोनी कछार, राजापुर ओमगायत्री नगर, म्योराबाद कछार, हनुमान मंदिर दारागंज, मोरी, भारद्वाज गंगा कछार, छोटा बघाड़ा, आजाद नगर करेली के साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के ट्रांसफॉर्मर से होने वाली बिजली आपूर्ति को बंद कर दिया गया है। मुख्य अभियंता प्रथम राजेश कुमार ने बताया कि बाढ़ का पानी भरने से सुरक्षा की दृष्टि से आपूर्ति बंद कराई गई है। जो मकान ऊंचाई पर बने हैं, वहां दूसरी लाइन से आपूर्ति चालू की गई है। लगातार इसकी निगरानी की जा रही है।

मुख्य सड़कें तो बनीं लेकिन गांवों को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग आज भी खस्ताहाल

प्रयागराज। करमा देश की अधिकतर आबादी गांवों में बसती है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क सहित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी बनती है। पिछले कुछ वर्षों में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनेक नई सड़कों का निर्माण कराया गया तथा पुरानी सड़कों का जीर्णोद्धार कराया गया। प्रयागराज में महाकुंभ से पहले शहर को जोड़ने वाली सभी प्रमुख सड़कों का निर्माण हुआ। अनेक मार्गों को गड्ढा मुक्त किया गया। सरकार द्वारा जहां प्रमुख मार्गों का कायाकल्प किया गया वहीं मुख्य मार्ग से गांवों को जोड़ने वाले कई संपर्क मार्गों की स्थिति आज भी खराब बनी हुई है जिससे गांव में रहने वाले लोगों को प्रमुख मार्ग तक पहुंचने में भारी समस्या का सामना करना पड़ता है।

करमा सहित आसपास के गांवों के कई संपर्क मार्ग ऐसे हैं जो आज भी गड्ढायुक्त हैं। बरसात के मौसम में इन मार्गों की स्थिति और भी खराब हो गई है। प्रयागराज मिर्जापुर नेशनल हाईवे से करमा को जोड़ने के लिए नैनी के सरगम तिराहे से छिंवकी रेलवे स्टेशन, नीबी, देवरी बलापुर होते हुए एक मार्ग बनाया गया जो करमा करछना मार्ग पर छीतूपुर के पास मिलता है। पहले इस मार्ग की हालत बहुत खराब थी लेकिन बाद में इसका जीर्णोद्धार कराया गया। महाकुंभ से पहले इस सड़क को फिर से बनाया गया और छिंवकी स्टेशन के पास ओवरब्रिज बनाया गया जिससे इस मार्ग की उपयोगिता बढ़ गई। करमा सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोग प्रतिदिन इसी रास्ते से नैनी व प्रयागराज जाते हैं। इस मार्ग के दोनों ओर पटरी नहीं बनाई गई है। सड़क के दोनों ओर घनी झाड़ियां उगने और कुछ स्थानों पर पेड़ों की डालियां सड़क पर आ जाने से आवागमन में समस्या होती है। सड़क ऊंची होने से दोनों ओर की जमीन नीची है जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। महाकुंभ के दौरान इस मार्ग पर कई गाड़ियां पलट गई थीं। लोगों का मानना है कि यदि इस सड़क के दोनों ओर पटरी बना दी जाय तो आवागमन और सुलभ हो जाएगा। संपर्क मार्गों की हालत खराब क्षेत्र में गड्ढे हो गए हैं जो बरसात के मौसम में आने जाने वाले लोगों को समस्या पैदा कर रहे हैं। नैनी करमा मार्ग पर बलापुर तिराहे के पास लगभग दो सौ मीटर सड़क पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो चुकी है। लोगो ने बताया कि सड़क बनते समय छीतूपुर के एक व्यक्ति द्वारा इसका न्यायालय से स्टे ले लिया गया था जिससे लोगों को चक्कर लगाकर करछना करमा मार्ग तक पहुंचना पड़ता है। ग्रामीणों मानना है कि सरकार द्वारा यदि मुख्य मार्गों की तरह ही ग्रामीण क्षेत्र के संपर्क मार्गों का भी पुनर्निर्माण करा दिया जाय तो गांवों की तस्वीर बदल जाएगी तथा लोगों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। बोले जिम्मेदार जिन मार्गों को कार्ययोजना में शामिल नहीं किया गया है। उनको शासन को भेजी जाने वाली संशोधित योजना में रखा जाएगा।। उसके पहले कौंधियारा विकास खंड में जहां जहां क्षतिग्रस्त मार्गों से परेशानी हो रही है। उसके लिए अधिकारियों को मौके पर भेजा जाएगा। –सुरेंद्र सिंह, अधिशाषी अभियंता निर्माण खंड चार करछना विधान सभा मे आने वाले गांवों की खराब सड़कों की एक सूची तैयार कराई गई। मेरे प्रयास से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा क्षेत्र की अधिकतर सड़कों के निर्माण की मंजूरी भी मिल गई है। संबंधित विभागों को इस आशय का पत्र भेज दिया गया है। जल्द ही इन सड़कों का निर्माण हो जाएगा। –पीयूष रंजन निषाद, क्षेत्रीय विधायक कौंधियारा विकास खंड के गांव बारा व करछना दो विधान सभाओं से जुड़े हैं। जिन गांवों की सड़कें खराब हैं उनके निर्माण के लिए दोनों विधान सभा के जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार व संबंधित अधिकारियों से वार्ता की जाएगी और खराब सड़कों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। –इंद्रनाथ मिश्र, ब्लॉक प्रमुख कौंधियारा

नैनी करमा मार्ग पर पटरी बनना बहुत आवश्यक है। महाकुंभ के समय देवरी गांव में ही यात्रियों की एक कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में चली गई थी जिसमे दक्षिण भारत के कई यात्री घायल हो गए थे। सरकार को इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। –रामनाथ त्रिपाठी, समाजसेवी देवरी हथिगन से चंद्रभान का पूरा बैरहना मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बरसात में सड़क पर हुए गड्ढों में कीचड़युक्त पानी भर जाने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इन मार्गों का पुनर्निर्माण होना बहुत आवश्यक है। –हरिप्रताप सिंह किसान, समाजसेवी बैरहना यमुनापार में ग्रामीण संपर्क मार्गों की हालत खराब है जिसका मुख्य कारण इन सड़कों की समुचित देखभाल न होना हो सकता है। मुख्य मार्गों की तरह यदि समय समय पर संपर्क मार्गों का भी जीर्णोद्वार होता रहे तो इस समस्या से मुक्ति मिल सकती है। – दीपक द्विवेदी पूर्व प्रधान हथिगन हथिगन सहित तिवारी का पूरा, बैरहना, चंद्रभान का पूरा, तेवरिया आदि में बनाई गई सड़कें खराब हो चुकी हैं। किसानों, मजदूरों, स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों साहित आमलोगों को आवागमन में परेशानी होती है। इन सड़कों का निर्माण होना जरूरी है। –मनोज पाण्डेय, शिक्षक सुंदरपुर हथिगन दानपुर में पिछले कई महीनों से सड़क पर बनाई गई एक पुलिया टूट गयी है जिसमें नीचे पाइप रखकर मिट्टी से पाट दिया गया है। पानी की निकासी के साथ ही आवागमन में लोगों को भारी समस्या हो रही है। इस पुलिया का निर्माण होना अत्यंत आवश्यक है। –अतुल गिरि गोस्वामी, समाजसेवी दानपुर करछना विधान सभा क्षेत्र के गांवों को जोड़ने वाली कई सड़कें खराब हो गई हैं। क्षेत्र के माननीय विधायक जी के प्रयास से अधिकतर सड़कों के पुनर्निर्माण की मंजूरी मिल गई है। जल्द ही इन सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा जिसमे आवागमन की समस्या दूर होगी। – रविशंकर साहू, मंडल महामंत्री भाजपा नैनी करमा मार्ग के बलापुर से चक मोहम्मद शादिक व चक ख्वाजा अली गांव को जोड़ने वाली सड़क पर गड्ढे हो गए हैं। इनमें बरसात का पानी भर जाने से आने जाने वाले लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से निवेदन है कि इस ओर ध्यान दें। –मोहम्मद इरफान, समाजसेवी चक मोहम्मद शादिक करमा कौंधियारा मार्ग पर बरौली से पहले लशोरेबीर मंदिर से दानपुर को जोड़ने वाले कच्चे मार्ग का डामरीकरण करवा दिया जाय तो दानपुर के लोगों को मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए एक नया रास्ता मिल जाएगा और दूरी भी कम हो जाएगी। –अनिल शुक्ल, अवकाश प्राप्त अधिकारी दानपुर मुख्य मार्गों के अलावा गांवों में जो संपर्क मार्ग बनाये गए थे वे भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन रास्तों पर पानी भर जाने से आवागमन बाधित हो रहा है। घोघापुर में रास्तों की स्थिति बहुत खराब है। यह गांव नगर निगम की सीमा में आ गया है। सड़कों का निर्माण जरूरी है। – योगेंद्र पाण्डेय, शिक्षक घोघापुर गांवों के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ आवागमन की सुविधा बहुत जरूरी है। करमा क्षेत्र के गांवों की अधिकतर सड़कें खराब हैं इसलिए इन सड़कों का जीर्णोद्धार होना अति आवश्यक है। जनप्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। –अनुराग जायसवाल, समाजसेवी करमा

अंतिम सोमवार पर हाईवे पर जारी रहेगा वन-वे ट्रैफिक

प्रयागराज। सावन माह के अंतिम सोमवार को देखते हुए सभी बसें और भारी वाहनों को जीटी जवाहर अलोपीबाग चुंगी से (प्रयागराज–वाराणसी मार्ग) पर भीटी सीमा तक बाएं लेन से आना–जाना मंगलवार तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। वाराणसी के तरफ से आने वाली रोडवेज बसें हंडिया–सहसों–फाफामऊ से प्रयागराज में प्रवेश करेंगी। वहीं, जौनपुर के तरफ से आने वाली रोडवेज बसें फूलपुर–सहसों–फाफामऊ से प्रयागराज आ सकेंगी। यह व्यवस्था सावन माह के विशेष दिनों से दो दिन पूर्व और एक दिन बाद तक लागू रखने की व्यवस्था की गई है। कानपुर की ओर से वाराणसी को जाने वाले भारी वाहन कानपुर, रामादेवी, जार्जमऊ–शहीद चंद्रशेखर आजाद मार्ग, बदरका, अचलगंज, बीघापुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, जौनपुर व वाराणसी के तरफ से जाएंगे।

वापसी का मार्ग भी यही होगा। कौशाम्बी की ओर से आने वाले वाहन प्रयागराज बाईपास से सोरांव कट से भुपिया मऊ, मुगराबादशाहपुर, मछलीशहर के रास्ते वाराणसी जाएंगे। लखनऊ की ओर से वाराणसी जाने वाले भारी वाहन रायबरेली, सलोन, प्रतापगढ, जौनपुर के रास्ते वाराणसी जाएंगे। वापसी का मार्ग भी यही होगा।

प्रतापगढ़ की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन प्रतापगढ़, मछली शहर, जौनपुर के रास्ते वाराणसी जाएंगे। वापसी भी इसी मार्ग से होगा। रीवा की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन मनगवा, हनुमना से मिर्जापुर के रास्ते वाराणसी जाएंगे।

रीवा से लखनऊ, कानपुर जाने वाले वाहन चित्रकूट, बांदा, चौडगरा, फतेहपुर होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। वापसी का मार्ग भी यही होगा चित्रकूट की तरफ से आने वाले वाहन राजापुर, कौशाम्बी, कोखराज होकर जाएंगे। शहर में लोड अनलोड वाहन धूमनगंज और फाफामऊ के रास्ते से प्रवेश करेंगे। वाराणसी की ओर से आने वाली रोडवेज बसें हंडिया, सहसों, फाफामऊ से प्रयागराज प्रवेश करेंगी।जौनपुर की तरफ से वाली रोडवेज बसें फूलपुर, सहसों और फाफामऊ से प्रयागराज आएगी।

प्रयागराज समेत 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

प्रयागराज। प्रयागराज व आसपास के जिलों में बीती रात से हो रही बारिश आगे भी जारी रहेगी। मौसम विभाग ने प्रयागराज समेत 10 जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई है। प्रयागराज के साथ प्रतापगढ़,

कौशांबी, मिर्जापुर, फतेहपुर, जौनपुर, रायबरेली, अमेठी, सुलतानपुर, उन्नाव में बादल गरजने, 30–40 किमी प्रति घंटा की गति से हवा चलने की सभावना जताई गई है। मौसम विभाग की से रविवार सुबह जारी बुलेटिन में अगले तीन घंटे 10 जिलों में मौसम बेहद खराब रहने का जिक्र है।

बढ़ रहा गंगा-यमुना का जलस्तर, रफ्तार हुई धीमी

प्रयागराज। गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, लेकिन रफ्तार धीमी हो गई है। फाफामऊ में गंगा और नैनी में यमुना का जलस्तर क्रमशः दो–दो सेमी प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है। शनिवार को गंगा–यमुना का जलस्तर चार–चार सेमी प्रति घंटा की गति से बढ़ रहा था। गंगा–यमुना के जलस्तर में वृद्धि की गति धीमी होने से कछारी और निचले ग्रामीण इलाकों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। बताया जा रहा है कि चिल्लाघाट में यमुना का जलस्तर घटने लगा है। यदि यही स्थिति बनी रही राहत मिल रही है। रविवार सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 85.49 मीटर, छतनाग 84.81 मीटर रहा। नैनी में यमुना का जलस्तर 85.54 मीटर रहा।

आरओ/एआरओ के दस से अधिक प्रश्नों पर आपत्ति

प्रयागराज। 27 जुलाई को आयोजित उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ)–2023 की प्रारंभिक परीक्षा के दस से अधिक प्रश्नों पर प्रतियोगी छात्रों ने साक्ष्यों के साथ आपत्ति की है। छात्रों का कहना है कि 30 जुलाई को जारी उत्तर कुंजी में दस से अधिक प्रश्न हैं जिसके जवाब गलत है। प्रश्न संख्या 19 श्भारत के भारत के निम्नलिखित में से कौन–से राज्य में उच्चतम जनसंख्या घनत्व पाया जाता है?श का जवाब आयोग ने उत्तर प्रदेश सही माना है जबकि छात्रों ने एनसीईआरटी और जनगणना रिपोर्ट के आधार पर बिहार को सही माना है। प्रश्न संख्या 101 शनिम्नलिखित में से कौन नकदी फसलों से संबंधित हैं?श का जवाब आयोग ने आलू, गन्ना और कपास सही माना है जबकि छात्र गन्ना, कपास और सफेद सरसों (रेपसीड) को सही माना है। प्रश्न संख्या 152 श्कुछ लोग नागपुर से आए हैं।श्वाक्य में श्कुछश शब्द विशेषण का कौन–सा भेद है? का जवाब आयोग ने परिमाणवाचक विशेषण माना है जबकि छात्र संख्यावाचक विशेषण को सही मान रहे हैं। इसी प्रकार अन्य प्रश्नों के सही उत्तर साक्ष्य सहित आयोग को भेजे हैं। प्रतियोगी छात्र राजन त्रिपाठी का कहना है कि अभ्यर्थियों में आक्रोश सिर्फ उत्तरकुंजी को लेकर ही नहीं है बल्कि उन तथाकथित विशेषज्ञों को लेकर भी है जो 150 से 200 सही नहीं बना पाते हैं। जब तक इन विशेषज्ञों पर उचित कार्यवाही नहीं होगी गंभीर अभ्यर्थियों को इसका नुकसान उठाना पड़ता रहेगा और परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्न चिन्ह लगते रहेंगे। उत्तरकुंजी में जितनी गलतियां आयोग के विशेषज्ञ करते हैं, इतनी गलतियां तो सामान्य कोचिंग वाले भी अपनी टेस्ट सीरीज में नहीं करते हैं।

ट्रेन से महिला का पर्स लेकर भाग निकला

प्रयागराज। सुहेलदेव एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक महिला यात्री का पर्स चोरी करके युवक भाग निकला। आजमगढ़ की रहने वाली छाया सिंह पत्नी अनूप सिंह ने प्रयागराज जीआरपी थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को बताया कि वह अपनी बहन सुप्रिया के साथ ट्रेन नंबर 22434 से आनंद विहार से जौनपुर की यात्रा कर रही थी। स्लीपर बोगी में सो रही थी।

अतुल बने भाकियू भानु के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, किसानों ने मिठाई बांटकर जताया हर्ष

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन भानु में राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने सैकड़ों किसानों की मौजूदगी में मथुरा जनपद के निवासी अतुल कुमार को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी देकर मनोनयन प्रमाण पत्र सौंपा। उत्तर प्रदेश अध्यक्ष (पहलवान प्रकोष्ठ) भूरा पहलवान ने मिठाई बांटकर हर्ष व्यक्त किया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अतुल कुमार ने कहा कि वह पूरी ईमानदारी

के साथ अपने देश के किसानों की आवाज बनेंगे और बताया कि भारतीय किसान यूनियन भानु पहलवान प्रकोष्ठ के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान की सहमति पर वृंदावन निवासी देवेन्द्र कुमार को राष्ट्रीय संगठन मंत्री, नगला ताज के निवासी चौधरी प्रेम पाल सिंह भरंगर को आगरा मण्डल अध्यक्ष,सिहोरा निवासी जितेंद्र चौधरी को जनपद मथुरा का जिला उपाध्यक्ष एवं सिहोरा निवासी अशोक चौधरी को मनोनयन प्रमाण पत्र देकर जिला सचिव नियुक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने बताया कि रोजाना सैकड़ों की संख्या में किसान भारतीय किसान यूनियन भानु में जुड़ रहे हैं किसान बिजली,सड़क,खाद एवं निराश्रित गौवंश ,खतौनी में गलत अंश निर्धारण की समस्या से जूझ रहे हैं। इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन से प्रशासन को जगाने का काम करेंगे। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद रहे।

राकेश मालवीय वनकामं उप्र (पूर्व) इकाई के हुए अध्यक्ष नामित

प्रयागराज। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र निगम ष्राजष्, गुरुग्राम ने प्रयागराज के कवि, लेखक व साहित्यकार पं. राकेश मालवीय श्मुस्कानश को उप्र (पूर्व) इकाई का अध्यक्ष नामित किया जाता है। उन्होंने उन्हें वनाकामं की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आपसे साहित्य के क्षेत्र में बड़ी

आशाएँ हैं, जिन्हें आप पूरी करेंगे। इस अवसर पर संजय सक्सेना, केशव सक्सेना, रचना सक्सेना, डाक्टर अजय मालवीय, शम्भूनाथ श्रीवास्तव आदि ने बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं।

भयहरण नाथ धाम में सभी के कल्याण हेतु शिवाभिषेक जारी

युवाओं ने रोपित किया पीपल का पौध

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन मेला धूम धाम से जारी है। सावन की रिमझिम फुहारो के भीच

लगातार भक्तो का आवागमन धाम में जारी है और जलाभिषेक हो रहा है। वहीं सामूहिक पूजन व भंडारो का आयोजन धाम परिसर में लगातार हो रहा है। इसी कड़ी में हिंदुपुर के जमुहा ग्राम के युवा सामाजिक कार्यकर्ता और धाम की प्रबन्ध संस्था के वरिष्ठ सदस्य रोहित सिंह के नेतृत्व में सभी के कल्याण हितु विधिवत शिवा भिषेक के पश्चात पीपल के पौध रोपित किया गया। यह जानकारी देते हुए धाम की प्रबन्ध समिति के महासचिव समाज शेखर ने बताया की शिक्षाविद राहुल सिंह के संयोजन में भव्य शिवाभिषेक व पूजन हुआ। सहयोगी शिव बहादुर सिंह, पप्पू सिंह, उषा सिंह, महिमा सिंह संजय सिंह एवं गोलू आदि ने विश्व कल्याण हेतु पूजन व पौधरोपण कर सभी के उत्थान की कामना की।

फर्जी फर्मो के खिलाफ शुरू हुई कार्रवाई

11 बोगस फर्म को जीएसटी का नोटिस, चल रही जांच

लखनऊ, संवाददाता। अलीगढ़ में राज्य वस्तु एवं सेवा कर यानि जीएसटी विभाग ने फर्जी फर्मों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग ने 11 बोगस फर्मों को नोटिस जारी किया है, जो लंबे समय से फर्जी पते पर टैक्स चोरी कर रही थीं। लखनऊ मुख्यालय के निर्देश पर जीएसटी अधिकारी फर्जी फर्मों की जांच में जुट गए हैं। अलीगढ़ में भी बड़े पैमाने पर जांच चल रही है। दो बोगस फर्मों को पकड़ा गया है, जिन्होंने फर्जी पते का इस्तेमाल करके 50 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी की है। इससे पहले विभाग ने ऐसे गिरोह का भी पर्दाफाश किया था, जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के पैन और आधार कार्ड का इस्तेमाल कर फर्जी फर्म चला रहा था। इन फर्मों के जरिए एक करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन पकड़ा गया था, आयकर विभाग ने भी नोटिस जारी किया था।जीएसटी विशेष अनुसंधान शाखा की संयुक्त आयुक्त रश्मि सिंह के मुताबिक बोगस फर्मों को नोटिस भेजे गए हैं। जांच हो रही है। इनमें कुछ फर्मों के खिलाफ पहले भी मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

पावस महिला काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

कइसे खेलन जइबू सावन में कजरिया– डॉ. उषा कनक पाठक

सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखना सराहनीय - नीलम देवी

मिर्जापुर। राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त की जयंती पर हिंदी श्री साहित्य संस्थान के तत्वावधान में अनगढ़ स्थिति एक हाल में पावस महिला काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित साहित्यकार डॉ उषा कनक पाठक रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गाजीपुर से आयी हिंदी श्री की संरक्षक नीलम देवी ने किया। संचालन कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज ने किया।

मुख्य अतिथि व अध्यक्ष ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति वंदना गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि डॉ उषा कनक पाठक ने अपने वक्तव्य में कहा कि पावस काव्य गोष्ठी में आकर प्रसन्नता हुई। कार्यक्रम उच्चकोटी का था। कजरी मिर्जापुर की पहचान है और विशेष रूप से सावन में गाई जाती है। मुख्य अतिथि ने सुनाया कइसे खेलन जइबू सावन में कजरिया। अध्यक्षता कर रही नीलम देवी ने कहा कि सावन माह धार्मिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण

है। ऐसे में पावस महिला काव्य गोष्ठी के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखना सराहनीय है। नंदिनी वर्मा ने सुनाया चला देखी आई सावन के मेला सखी। बड़ा मन करेला सखी। इला जायसवाल ने सुनाया हरे रामा रिमझिम बरसे पनिया, कि झूले राधा रनिया ए हरी। कल्पना गुप्ता ने सुनाया बहुतय दर्द होला कृष्ण कन्हैया, कलाई जिन मरोड़ा हे बनवारी। कार्यक्रम में सुमन, सावित्री कुमारी, अमिका सिंह, दिव्या सिंह, उर्मिला, साधना पाठक, मोहिनी, तान्या कुलश्रेष्ठ, नुसरत जमाल, पूनम सिंह, पूनम, प्रीति सोनकर, चंदा देवी, साधना वर्मा ने कजरी गीत सुनाया। कार्यक्रम के अंत में सावित्री कुमारी ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

संस्कार भारती महानगर प्रयागराज का चुनाव संपन्न

डा. ज्योति मिश्रा अध्यक्ष, योगेंद्र मिश्र वह प्रेम कुमार मल्लिक संरक्षक तो रवीन्द्र कुशवाहा दृश्य कला संयोजक एवं मीडिया प्रभारी चुने गए

प्रयागराज। संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई की बैठक उपाध्यक्ष डा.ज्योति मिश्रा के बैंक रोड स्थित आवास पर अध्यक्ष डा.योगेन्द्र कुमार मिश्र षविश्वबन्धुष की अध्यक्षता में योगेन्द्र ने विगत कार्यकारणी भंग करने घोषणा की और फिर काशी–प्रांत से आये पर्यवेक्षक प्रो. कुमार चंचल ने डा. ज्योति मिश्रा को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष घोषित किया।

इसके पश्चात ज्योति ने अपनी नयी कार्यकारणी घोषित करते हुए डा. योगेन्द्र मिश्रा व प्रो. प्रेमकुमार मल्लिक को संरक्षक,पं. अनूप बनर्जी को उपाध्यक्ष, विभव मिश्रा महामंत्री, शम्भूनाथ श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष,रंजना त्रिपाठी को मंत्री के साथ महिला–शक्ति संयोजिका एवं प्रियंका चौहान को मंत्री घोषित किया। इसी क्रम में दृश्यकला संयोजक एवं मीडिया प्रभारी रवीन्द्र नाथ कुशवाहा,संतोष पाण्डेय मंचीयकला,रागिनी चन्द्रा लोककला,राकेश मालवीय साहित्य संयोजक बनाये गये। महामंत्री ने समस्त अतिथि सदस्यों पदाधिकारियों के प्रति आभार प्रकट किया।

संपन्न हुई।रंजना त्रिपाठी के ध्येयगीत की प्रस्तुति के उपरांत अध्यक्ष योगेन्द्र ने समस्त सदस्यों का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष शम्भूनाथ श्रीवास्तव ने गत–वर्ष का लेखा–जोखा तथा महामंत्री ने गत–वर्ष के कार्यक्रमों की आख्या प्रस्तुत की तदुपरांत उक्त अवसर पर सुशील राय, प्रेमलता मिश्रा, रेखा तिवारी, आलोक मिश्रा, मनोज गुप्ता, सीमा सिंह, पंकज कुमार, सुभांगिनी पटारिया, अजय सिंह, शिवाली रावत, स्वर्णिमा मिश्रा, अखिलेश गौतम, प्रवर टंडन आदि सदस्य मौजूद रहे।

केजीएमयू: विशेषज्ञों के इस्तीफे शुभ संकेत नहीं

एक के बाद एक डॉक्टर छोड़ रहे नौकरी

लखनऊ, संवाददाता। सरकारी चिकित्सा संस्थानों में डॉक्टरों पर काम का बोझ बढ़ रहा है। तनाव के कारण किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय जैसे अग्रणी चिकित्सा संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सक भी काम छोड़ रहे हैं। यही हाल रहा तो केजीएमयू में अच्छे डाक्टरों की कमी होनी तय है। वरिष्ठ चिकित्सक केजीएमयू छोड़ रहे हैं। एक महीने के भीतर केजीएमयू के तीन चिकित्सकों ने इस्तीफा दिया है। अभी केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डा. अजय वर्मा ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ज्वाइन भी कर लिया है। डा. अजय वर्मा लोहिया संस्थान के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के एचओडी होंगे।जुलाई माह में चीफ प्राक्टर

व न्यूरो सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डा. क्षितिज श्रीवास्तव ने केजीएमयू छोड़ा है। उन्होंने आलमबाग के निजी अस्पताल में कार्य शुरू कर दिया है। केजीएमयू के मानसिक रोग विभाग के डा. आदर्श त्रिपाठी ने इस्तीफा दिया है। अभी केजीएमयू ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। वह तीन महीने की नोटिस पर चल रहे हैं। केजीएमयू के टीचर्स एसोसिएशन के महामंत्री डा. संतोष कुमार कहते हैं, केजीएमयू में चिकित्सकों का समान वेतन है। मरीजों का दबाव ज्यादा है। अधिक वेतन व सुविधाओं के लिए लोग प्राइवेट संस्थान जा रहे हैं। केजीएमयू के चिकित्सकों के करीब 70 पद रिक्त हैं। नई नियुक्तियां न होने और चिकित्सकों के पलायन के बाद मरीजों का इलाज प्रभावित हो रहा है। इसी तरह विशेषज्ञ चिकित्सक केजीएमयू छोड़ जाते रहे तो मरीजों का इलाज प्रभावित होगा। केजीएमयू की नैक ग्रेडिंग पर असर पड़ सकता है। नैक ग्रेडिंग में फैकल्टी का स्थायित्व,अनुभव और अनुसंधान गतिविधियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी से शिक्षण, शोध,मरीजों की देखभाल की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा के साथ एनआईआरएफ रैंकिंग को नुकसान पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का केजीएमयू छोड़ना शुभ संकेत नहीं है। इस दिशा में हाई लेबल पर सोचना आवश्यक है।अभी हाल के तीन विशेषज्ञ डा.अजय वर्मा, डा.क्षितिज व डा. आदर्श त्रिपाठी के अलावा डॉ. संत कुमार पांडे नेफ्रोलॉजी, डॉ. मनमीत यूरोलॉजी, डॉ. विजयंत कुमार सीवीटीएस, डॉ. साकेत कुमार सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, डॉ. मधुकर मित्तल एंडोक्राइनोलॉजी, डॉ. विवेक गुप्ता और डॉ. प्रदीप जोशी केजीएमयू छोड़ चुके हैं।

एसजीपीजीआई में यूपी की पहली फुली ऑटोमैटेड लैब शुरू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में मरीजों को जल्द और सटीक इलाज देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए संजय गांधी पीजीआई (एसजीपीजीआई) ने यूपी की पहली पूरी तरह स्वचालित प्रयोगशाला (फुली ऑटोमैटेड लैब) शुरू कर दी है। अब यहां मरीजों को रिपोर्ट के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और डॉक्टरों को जल्द से जल्द इलाज शुरू करने में मदद मिलेगी। इस हाईटेक लैब का उद्घाटन पीजीआई के डायरेक्टर पद्मश्री प्रो. आरके धीमन ने किया। यह लैब पैथोलॉजी विभाग के क्लिनिकल केमिस्ट्री सेक्शन में शुरू की गई है। अब तक खून या अन्य सैंपल की जांच में टेक्नीशियन का काफी समय लगता था, जिससे रिपोर्ट देर से मिलती थी और गलती की गुंजाइश भी बनी रहती थी। लेकिन इस नई ऑटोमैटेड लैब में बेकमैन कूल्टर की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी लगी है, जो प्रति घंटे 4000 से ज्यादा टेस्ट कर सकती है। अब सैंपल की पहचान से लेकर उसकी जांच और रिपोर्ट तैयार करने तक सबकुछ मशीनें करेंगी। इससे न सिर्फ रिपोर्ट तेज मिलेगी, बल्कि नतीजे भी ज्यादा सटीक होंगे। पैथोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रो. मनोज जैन ने बताया कि ये न सिर्फ उत्तर प्रदेश की पहली, बल्कि भारत की सबसे एडवांस्ड लैब्स में से एक है।

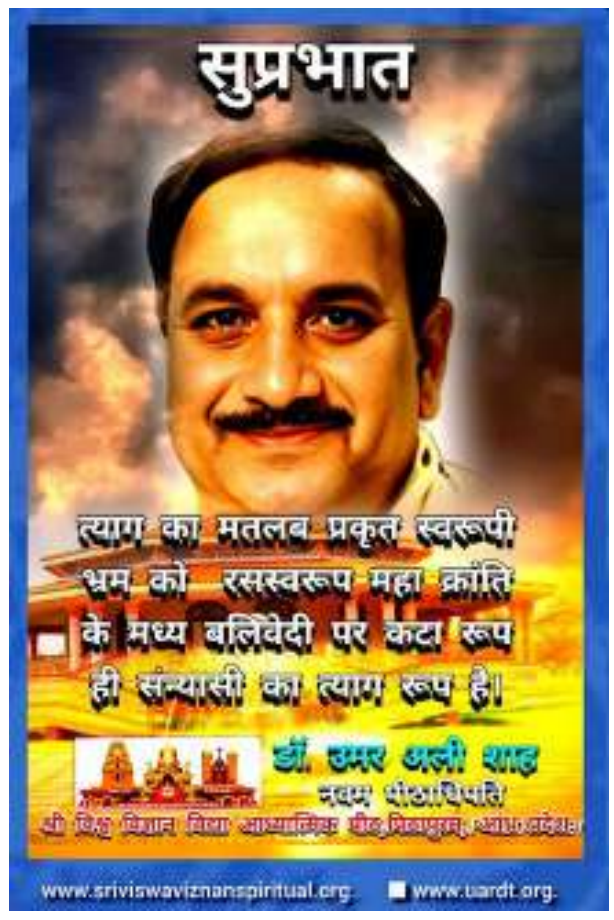

बादल जंगल ढूँढते

(कुण्डलिया)

बादल जंगल ढूँढते, जंगल ढूँढे पेड़।
मानव ने हँसकर कहा, पेड़ खा गई भेड़।
पेड़ खा गई भेड़, न इसमें शक गुंजाइश।
पकड़ो अपनी राह, करो मत अब फरमाइश।
सुनकर कहे प्रदीप,जवाब मिला मुकम्मल।
परेशान इन्सान, हँस रहे नभ में बादल।।

सावन की रिमझिम झिरी, ढूँढ रही चहुँ ओर।
जाने क्यों जुगनू नहीं, करते रात अजोर।
करते रात अजोर,जला जब बिजली अपनी।
झींगुर गाते गीत, बजाते दादुर ढपली।
सुन लो कहें प्रदीप, हुए जब सभी महाजन।
उत्तर देगा कौन,पूछता सबसे सावन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

ईदगाह में निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। मानवता की बुनियाद समाज सेवा के जज्बे से हमवार होती है। खुदा पाक के बन्दों की सेवा करना एक बहुत अच्छा कार्य है जो हर इन्सान को व्यक्तिगत एवं सामूहिक तौर पर समाज के लिए अंजाम देना चाहिए। यह कार्य न सिर्फ मानवता की तामीर व तरक्की का कारण बल्कि इस नेक कार्य से व्यक्ति के व्यक्तित्व में भी निखार पैदा होता है। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह लखनऊ व काजी शहर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया, मेदान्ता हास्पिटल और काइंड हस्पिटल के सौजन्य से दारूल उलूम फरंगी महल ईदगाह लखनऊ में आयोजित मांसिक निःशुल्क चिकित्सा कैम्प से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि जरूरत मन्दों और गरीबों की सहायता व सहयोग करना इस्लाम की शिक्षा व हिदायत पर अमल करना है। समाज सेवा जैसे नेक काम के नमूने हमको रसूले पाक सल्ल0 की सीरत और साहाबा रजि0 के हालात में बहुत मिलते हैं। मौलाना ने कहा कि इस्लामिक सेन्टर के अर्न्तगत इस निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आरम्भ मौलाना अबू तैय्यब अहमद मियॉ फरंगी महली की सरपरस्ती में सन् 2000 में हुआ था। आज 189वॉ कैम्प था। यह हर महीने की पहली इतवार को लगता है। इस कैम्प से बिना किसी धार्मिक भेद भाव के हजारों लोग लाभ उठा चुके हैं। यहॉ निःशुल्क चश्मे दिये जाते हैं। ब्लड प्रेशर, शूगर, थाईराइड, स्त्री रोग इत्यादि की जॉच और निःशुल्क दवायें दी जाती हैं। इस कैम्प में काइन्ड हास्पिटल्ल के डायरेक्टर और प्रख्यात चिकित्सक डा0 शारिक हबीब, मैक्स हास्पिटल की पूरी टीम, बेग आई सेन्टर की पूरी टीम, उवैस अहमद, अम्बर ट्रस्ट के जुबैर अहमद किदवाई ने अपनी अपनी सेवाओं को अंजाम दिया। मेहमानों का स्वागत मौलाना गुफरान अहमद शमसी ने किया और शुक्रिया मौलाना हारून निजामी ने अदा किया। इस अवसर पर मौलाना मो0 सुफयान निजामी, मुनीब अलवी, शेख़ राशिद अली मीनाई, कारी मो0 हारून, मौलाना मो0 शमीम, मौ0 अब्दुल मुगीस, अदनान शाहिद खॉ, फैज खालिद, अबुजर राईन मौजूद थे।

आर्य महासभा गणेश चतुर्थी से सनातन शक्ति केन्द्र की स्थापना की करेंगी शुरुआत

लखनऊ, संवाददाता। सनातनी समाज को आर्थिक सामाजिक एवं बौद्धिक रूप से मजबूत बनाने के लिए गणेश चतुर्थी से आर्य महासभा त्रिदण्डी सनातन शक्ति केंद्रों की स्थापना शुरू करेगा। यह निर्णय जानकीपुरम विस्तार में आर्य महासभा के संगठन संयोजन द्वारा आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में संयोजक पंकज कुमार द्वारा प्रस्ताव दिया गया कि सनातन धर्म को मजबूत करने के लिए सनातनी समाज को आर्थिक सामाजिक एवं बौद्धिक रूप से मजबूत करना आवश्यक है, अतः इसके लिए सनातन शक्ति केंद्रों की स्थापना किया जाना चाहिये। प्रस्ताव पर उपस्थित समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों द्वारा अपने अपने विचार रखें गये जिसमें मुख्य रूप से पूर्व महापौर सुरेश चंद्र अवस्थी, आर्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मौली शुक्ला, डॉ अगम दयाल, बी एन मिश्रा, राजीव गुप्ता, अरविन्द नाथ मिश्रा, राम तिवारी, विकास पाण्डेय, अजय यादव, मण्डल अध्यक्ष अनीता तिवारी, मण्डल अध्यक्ष कानपुर अभिषेक सिंह, दिव्या शुक्ला, अंकेश सिंह, ओ पी मिश्रा, लक्ष्य जनकल्याण समिति के अध्यक्ष एस के बाजपेई, योगी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव वर्मा, मोहित मिश्रा द्वारा सनातन शक्ति केन्द्रों को सनातनी समाज की आवश्यकता बताया गया। बैठक में उपस्थित सभी लोगों की सनातन शक्ति केन्द्रों की स्थापना के पक्ष में अपनी सहमति प्रदान करने के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने बताया कि सनातन शक्ति केंद्रों की स्थापना की शुरुआत गणेश चतुर्थी से कर दी जायेगी, और ये सनातन शक्ति केन्द्र हर वार्ड स्तर पर क्षेत्र में स्थित मंदिरो में बनाये जायेगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा सनातनी समाज को लाभान्वित करते हुए न सिर्फ एकजुट किया जा सके। बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वालों की सूची भी तैयार की जायेगी।

सम्पादकीय.....

जानलेवा ब्रेक

देश में जब तेजी से हाई–वे बने तो लगा कि अब आम आदमी की यात्रा सुगम व सुरक्षित होगी। तब सफर में लोगों के घंटों बचने लगे। यात्रियों के पेट्रोल व डीजल की खपत कम हुई। विडंबना यह है कि कालांतर वाहनों की गति सीमाएं तोड़ने लगी। बेलगाम गति दुर्घटनाओं का सबब बनी। वे खबरें विचलित करती हैं जब पूरे के पूरे परिवार सड़क दुर्घटनाओं की भेंट चढ़ जाते हैं। निस्संदेह, जब व्यक्ति निर्धारित सीमा से अधिक की गति से वाहन चलाता है तो विषम परिस्थितियों में अचानक ब्रेक लगाना ही पड़ता है। ऐसे में पीछे से नियंत्रित गति में चलने वाले वाहन चालक भी सड़क दुर्घटनाओं की चपेट में आ जाते हैं। अकसर बेकसूर लोग दूसरों की गलती की कीमत चुकाते हैं। ऐसी ही दुर्घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि हाई–वे पर कोई वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाता है तो दुर्घटना की स्थिति में इसे लापरवाही माना जाएगा। अदालत ने माना कि हाई–वे पर वाहनों का तेज गति से चलना स्वाभाविक है, लेकिन यदि कोई चालक अचानक वाहन रोकता है तो उसकी जिम्मेदारी बनती है कि वह ब्रेक मारने से पहले पीछे आने वाले वाहन चालकों को चेतावनी या कोई संकेत दे। उल्लेखनीय है कि यह फैसला वर्ष 2017 में कोयंबटूर में एक इंजीनियरिंग छात्र के साथ हुए हादसे के बाबत आया है, जिसमें उसे अपनी टांग गंवानी पड़ी। दरअसल, उसकी मोटरसाइकिल अचानक रोकी गई एक कार से टकरा गई थी। इस टक्कर में उसके नीचे गिरने पर पीछे से आ रही बस ने उसके पैर को कुचल डाला। कोर्ट ने कार चालक की इस दलील को तार्किक नहीं माना कि उसे पत्नी के अस्वस्थ होने के कारण कार अचानक रोकनी पड़ी। अदालत का मानना था कि उसने भले ही किसी भी परिस्थिति में कार रोकी,लेकिन उसे पीछे से आने वाले वाहन चालकों को संकेत या चेतावनी जरूर देनी चाहिए थी, ताकि इस हादसे को टाला जा सकता। अदालत ने कहा कि यदि इस मामले में आधी गलती कार चालक की है तो बीस–बीस फीसदी गलती अपील करने वाले व बस चालक की भी है। कोर्ट ने अपील करने वाले को अगले वाहन से पर्याप्त दूरी न रखने व लाइसेंस न होने का दोषी माना। फलतरू उसके मुआवजे में बीस फीसदी की कटौती की। दरअसल, हाई–वे पर होने वाले तमाम हादसों में वाहनों की निर्धारित सीमा से अधिक गति को मुख्य कारण बताया जा रहा है। 'हाई–वे रोड सेफ्टी रिपोर्ट 2021' के अनुसार दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं में 74 फीसदी हादसे वाहनों की निर्धारित गति सीमा से अधिक पर वाहन चलाने की वजह से होते हैं। जिसके चलते राजमार्गों में सुरक्षा मानकों को ताक पर रख दिया जाता है। निस्संदेह, हमने यूरोपीय स्टाइल के हाई–वे तो बना दिए मगर चालकों को नियम–कानूनों के पालन के लिये जागरूक नहीं कर पाये। यही वजह है कि दुर्भाग्य से देश की सड़कों में हर तीन मिनट में एक बेगुनाह व्यक्ति की मौत हो जाती है। जाहिर है, दोष सड़कों का नहीं बल्कि चालकों के व्यवहार में अराजकता का है। जरूरी है कि वाहन चालकों को नियमों का पालन करने तथा गति सीमा नियंत्रित रखने हेतु प्रेरित किया जाए। तभी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क दुर्घटनाओं के लिये निरापद बन सकेगा। निस्संदेह, सड़क निर्माण में भी कई बार तकनीकी खामियां पायी जाती हैं। पदयात्रियों व जानवरों के हाई–वे पर आ जाने से वाहन चालकों को ब्रेक लगाने को मजबूर होना पड़ता है। लेकिन कोर्ट के निर्देश के अनुरूप ही पीछे आने वाले वाहन चालकों को इसका संकेत देना जरूरी है। साथ ही तकनीकी व गुणवत्ता की दृष्टि से दोषपूर्ण सड़क बनाने वालों की जवाबदेही भी तय करना जरूरी है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट ने नजीर का फैसला दिया है, जो वाहन चालकों की जवाबदेही सुनिश्चित करता है। साथ ही पीछे आने वाले वाहन चालकों को आगे के वाहन से सुरक्षित दूरी बनाकर चलना होगा, ताकि अचानक ब्रेक लगने की स्थिति में वे खुद का और पीछे आने वाले वाहनों का बचाव कर सकें।

ट्रंप और टैरिफ, अमेरिकी लोकतंत्र में अधिनायकवाद का दौर

संजीव ठाकुर

आज भारत विश्व की चौथी बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है और भारत में विश्व का सबसे बड़ा वैश्विक बाजार उसकी जनसंख्या के बलबूते पर केंद्रित हो गया है।

दुनिया के देशों में ट्रंप के टैरिफ युद्ध से 70 देशों में बड़ी अफरा तफरी मचने के बाद अमेरिका में व्यापार संरक्षणवाद का नया दौर प्रारंभ हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के अधिनायकवाद के चलते अमेरिका जो कभी अर्थव्यवस्था में संरक्षणवाद का घोर विरोधी रहा है, अब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की नई नीति के कारण संरक्षणवाद का नया दौर शुरू हो गया है। इस नए संरक्षणवाद के चलते अमेरिका में भी कीमतों में भारी उछाल आया है। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कनाडा,ब्राजील,भारत,ताइवान सहित 69 देश और यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्यों वाले राज्यों से होने वाले आयात पर टैरिफ की नई दरों को निर्धारित करने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। पूरे विश्व के अर्थशास्त्रियों को मानना है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दूरगामी परिणाम होंगे और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने वैश्विक फैसले पर कितनी देर तक अडिग रह सकते हैं इसमें बहुत ज्यादा संशय की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका के ऐतिहासिक दौर में न जाने किन–किन वित्तीय सलाहकारों की सलाह पर राष्ट्रपति ने इस तरह उथल–पुथल मचाने वाले टैरिफ वार की घोषणा की है। टैरिफ की इस नई लहर से पूरे वैश्विक बाजार में शेयर बाजारों में तगड़ी तथा अभूतपूर्व गिरावट परिलक्षित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस नई टैरिफ टैरिफ नीति के कारण जो द ंतय की गई है उसमें कनाडा से आयातित वस्तुओं पर 35: ,ब्राजील पर 50:, भारत पर 25:, ताइवान पर 20: और स्विट्जरलैंड में 39: शुल्क शामिल है। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस आदेश में 69 देश के लिए 7 दिनों में 10 से 40 तक की उच्च आयात शुल्क लगाने वाली घोषणा से वैश्विक बाजार में भारी भारी अफरा तफरी मच गई है। ट्रंप के पहले राष्ट्रपति के दौर में यह तो तय था की डोनाल्ड ट्रंप एक व्यापारिक मनोवृति के व्यक्ति हैं और व्यापार को अमेरिका के हित में आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहे हैं। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ऐसा प्रतीत होता है कि वह बहुत जल्दबाजी में अपने देश के व्यापार को शिखर में ले जाकर व्यवसायिक सिरमौर बनना चाहते हैं। इस कदम से उन्हें पता ही नहीं चला कि वे कब और किस तरह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों से अलग अमेरिकी लोकतंत्र के अधिनायकवादी शासक बन गए हैं। इससे उनकी पार्टी तथा विरोधी दल के नेता सहित अमेरिकी आम उपभोक्ता भी अचंभित तथा त्रस्त हो गए हैं। भारत के संदर्भ में वे लगभग यह भूल चुके हैं कि भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा। आज भारत विश्व की चौथी बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है और भारत में विश्व का सबसे बड़ा वैश्विक बाजार उसकी जनसंख्या के बलबूते पर केंद्रित हो गया है। भारत के साथ 25: टैरिफ लगाने के संदर्भ में यह भी गौरतलब है कि भारतीय बाजार को नुकसान पहुंचाने के साथ–साथ अमेरिकी बाजार में भी आर्थिक क्षति की संभावना बलवती हो गई है। भारत में 25: टैरिफ लगाने पर भारत के कई अर्थशास्त्र के संगठनों ने कहा कि अमेरिका के इस लगाए गए नए टैरिफ रेट से न सिर्फ अमेरिका के घरेलू उत्पादों में गिरावट आकर मुद्रा स्थिति की दर ज्यादा होगी और इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचाने की संभावना भी है और दूसरी तरफ भारत को थोड़े अल्पकालिक नुकसान के साथ कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की अनिवार्यता को और मजबूत बनाएगा। अगर अमेरिका को यह लगता है कि दबाव की रणनीति को लागू करके भारत की राजनीतिक दिशा को प्रभावित कर सकता है तो अमेरिका भारी भूल में है उसे यह बात जान लेनी चाहिए की वर्तमान का भारत एक दशक वाला पुराना भारत नहीं रहा है। अब भारत किसी भी देश की उपस्थित या दबाव झेंलने के लिए बाध्य नहीं है। यह भी अंदेशा लगाया जा रहा है कि अमेरिका ने व्यापार समझौते में बेहतर वार्ता सुनिश्चित करने के लिए यह दबाव बनाया है। पर यह भी संभावना है कि भारत पर इसका आंशिक असर तो पड़ेगा ही और भारत पर अमेरिका के साथ आयात निर्यात में 45 अरब डॉलर के अधिशेष व्यापार पर हल्का खतरा बन सकता है। इसके लिए भारत को अमेरिका के सामने झुकने की कतई आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। भारत विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के इस रूप पर अपनी कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है इससे यह स्पष्ट है कि भारत किसी तरह के दबाव में नहीं है और अमेरिका के इस रुख को अच्छे से समझ चुका है। अमेरिका में भी ऐतिहासिक तौर पर डोनाल्ड ट्रंप भारत के बाद सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के एक अधिनायक वादी राष्ट्रपति बन चुके हैं और उनकी सनक के चलते उनकी पार्टी के नेता ही उनके अंदरुनी विरोध में आ चुके हैं उल्लेखनीय है कि उनके चुनावी मित्र टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप से अपना रिश्ता तोड़कर एक अलग पार्टी बनाने का फैसला भी कर लिया है। अमेरिका में तीसरी पार्टी बनाने का यह फैसला अमेरिकी इतिहास के लिए एकदम नया तथा अभूतपूर्व कदम है। अमेरिका ने जहां भारत से व्यापार वस्तुओं के आयात निर्यात पर 25: टैरिफ कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ बांग्लादेश तथा पाकिस्तान पर मेहरबानी कर टैरिफ की दर एकदम कम कर दक्षिण एशिया में राजनीति उथल–पुथल के भी संकेत दे दिए हैं। इससे यह स्पष्ट है कि अमेरिका भारत की बढ़ती ताकत और रूस से परंपरागत दोस्ती की मजबूती से काफी विचलित भी हुआ है। अब भारत को इस संदर्भ में वेट एंड वॉच की नीति अपना कर वार्ता से नए समीकरण पैदा कर अमेरिका को अपनी शर्तें मनवाने का कूटनीतिक दौर चलाना होगा।

क्या भारत में सामाजिक हिंसा बढ़ रही है

एसआर दारापुरी

हाँ, भारत में सामाजिक हिंसा, विशेष रूप से धार्मिक और जातिगत अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर, हाल के वर्षों में बढ़ी है। मानवाधिकार संगठनों और संघर्ष निगरानी समूहों सहित विभिन्न स्रोतों के आँकड़े सांप्रदायिक हिंसा में वृद्धि दर्शाते हैं, खासकर 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में

आने के बाद से। ह्यूमन राइट्स वॉच की 2024 और 2025 की विश्व रिपोर्ट मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में वृद्धि को उजागर करती है, जो अक्सर हिंदू राष्ट्रवादी नीतियों और बयानबाजी से जुड़ी होती है। 2024 की रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की भेदभावपूर्ण प्रथाओं ने भय का माहौल पैदा किया है, जिससे धार्मिक अल्पसंख्यकों और आलोचकों पर हमले बढ़े हैं। 2025 की रिपोर्ट में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि 2024 के चुनाव अभियान ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव, शत्रुता और हिंसा को उकसाया। सशस्त्र संघर्ष स्थान एवं घटना डेटा परियोजना (एसीएलईडी) ने 2024 में रिपोर्ट दी थी कि हिंदू राष्ट्रवादी समूहों द्वारा संचालित धार्मिक ध्रुवीकरण ने सांप्रदायिक हिंसा को फिर से भड़काया है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, जो भाजपा के नेतृत्व वाली एक महत्वपूर्ण परियोजना है, एक विवाद का विषय रहा है, जिससे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ रहा है। 2019 के न्यू यॉर्क लेख के अनुसार, थ्बजबीमबामत. पद ने 2014 और 2019 के बीच मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों पर हिंदू चरमपंथियों द्वारा किए गए 168 हमलों का दस्तावेजीकरण किया, जिसके परिणामस्वरूप 46 मौतें हुईं, मुख्यतः गौरक्षा के नाम पर। एक्स पर पोस्ट और समाचार रिपोर्ट, जैसे कि जुलाई 2025 में पठानमथिट्टा में भाजपा और माकपा कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प, जारी सांप्रदायिक और राजनीतिक हिंसा का संकेत देती हैं। हालाँकि यह निर्णायक नहीं है, लेकिन एक्स पोस्ट जनता की इस भावना को दर्शाती हैं कि भाजपा शासन में हिंसा, विशेष रूप से दलितों और मुसलमानों के खिलाफ, बढ़ी है। हालाँकि, कुछ स्रोत, जैसे कि एक्स पर एक पोस्ट, यह सुझाव देते हैं कि हिंसा की बढ़ती रिपोर्टिंग आंशिक रूप से भाजपा के शासन में अधिक स्वतंत्र प्रेस को दर्शाती है, जो पहले कम रिपोर्ट की गई घटनाओं को प्रकाश में ला रही है, हालाँकि राज्य की प्रतिक्रियाएँ अभी भी कमजोर हैं। इस दावे की पुष्टि नहीं होती है और इसे सावधानी से लिया जाना चाहिए। 2014 से भारत की सत्तारूढ़ पार्टी, भाजपा और उसका वैचारिक संरक्षक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), हिंदू राष्ट्रवाद (हिंदुत्व) के उदय से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं, जो सामाजिक हिंसा में वृद्धि से जुड़ा है। उनकी भूमिकाएँ इस प्रकार है। 1925 में स्थापित आरएसएस, हिंदुत्व, हिंदू वर्चस्व में विश्वास और एक हिंदू राष्ट्र की स्थापना को बढ़ावा देता है। संघ परिवार (आरएसएस सहित हिंदू राष्ट्रवादी संगठनों का एक नेटवर्क) की राजनीतिक शाखा के रूप में, भाजपा इस विचारधारा से जुड़ी नीतियों को लागू करती है। इसमें राम मंदिर परियोजना और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाले माने जाने वाले कानून शामिल हैं, जैसे कि गोहत्या और अंतर्धार्मिक विवाह (जिन्हें हिंदू राष्ट्रवादी लव जिहाद कहते हैं) के खिलाफ कानून। आरएसएस, भाजपा को स्वयंसेवक और वैचारिक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

एकजुटता: हमारी सांस्कृतिक शक्ति

जितनी भिन्नताएँ बढ़ेंगी, उतनी ही अधिक विशृंखलता उत्पन्न होगी

यह कथन आज के संदर्भ में विशेष प्रासंगिक है। हमारी भारतीय संस्कृति ने हमेशा 'अनेकता में एकता' के सिद्धांत को सराहा है और यह हमारी सांस्कृतिक उदारता का प्रतीक रहा है।

अक्सर, विचारों में भिन्नता मतभेद का कारण बन जाती है, लेकिन हमारी परंपरा रही है कि विभिन्न धर्म और संप्रदाय शांतिपूर्वक सह–अस्तित्व में रहें और एक–दूसरे का सम्मान करें। इस विशिष्टता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। कोई भी समाज उतना ही संगठित रह सकता है जितनी उसमें एकता हो। यदि भिन्नताएँ अत्यधिक बढ़ेंगी, तो स्वाभाविक रूप से बिखराव और अव्यवस्था जन्म लेगी। विश्व इतिहास पर नज़र डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भाषा, वेशभूषा और भावनाओं की एकता ही लोगों को एक सूत्र में पिरोती है। यदि हमें एक सशक्त समाज का निर्माण करना है, तो एकजुटता अनिवार्य है, और इसी सशक्त समाज से एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा।

वर्तमान स्थिति थोड़ी विपरीत दिखाई देती है। एक ही समाज, जाति या पार्टी के नाम पर लोग आपस में लड़ रहे हैं, और यह देखकर शर्म आती है कि इतना विघटन क्यों हो रहा है। यदि हम आत्म–चिंतन करें कि क्या हम भी इस भीड़ का हिस्सा हैं, तो शायद जवाब श्हाँश में मिलेगा। दूसरों पर दोषारोपण करना आसान है। शिक्षा का स्तर बढ़ा है और वैचारिक परिवर्तन भी आए हैं, लेकिन भारतीय संस्कारों की कहीं न कहीं अवहेलना हो रही है। श्मेरी जातिश, श्मेरा समाजश, श्मेरे समाज के नियमश जैसी संकीर्ण धारणाओं को तोड़ना होगा।

हमें 'हम' की भावना को जागृत करना होगा। जैसे किसी कार्य में टीमवर्क होता है, जहाँ हर व्यक्ति को उसकी क्षमता के अनुसार अलग–अलग काम दिए जाते हैं, लेकिन उन सभी कार्यों का उद्देश्य एक ही होता है। हर कोई अपना 100: योगदान देने का प्रयास करता है, और इसी से कार्य में सफलता मिलती है।

यदि हम राष्ट्र के संदर्भ में इस 'अनेकता में एकता' के सिद्धांत को अपनाते हुए, सभी को उनकी भूमिकाएँ दें और सबका उद्देश्य एक ही हो दृ ष्सबका साथ, सबका विकासष् दृ तो निश्चित रूप से कल का सूर्य एक नई ऊर्जा और नई किरणों के साथ उदय होगा। सूर्य की रोशनी तो एक ही होती है, लेकिन हमारी अनेकता अलग–अलग प्रतिमान स्थापित करती है। यदि हम अपना दृष्टिकोण बदल लें, तो ये प्रतिमान भी बदल जाएँगे। सभी प्रबुद्ध हैं, सभी जानकार हैं, तो फिर देर किस बात की है? श्अनेकता में एकताश के इस भाव को आज ही स्थापित करें। जब हम सब एक–दूसरे को अपना समझेंगे, तो निश्चित रूप से वे भी हमें अपना समझेंग दीजिए

देवदास से सैयारा तक दर्शकों पर प्रेम का जादू

प्यार एक जज्बात है। किशोर से लेकर अधेड़ व्यक्ति तक को सच्चे प्यार की तलाश होती है। स्वरूप चाहे अलग हो, मगर सच्चा प्यार सबकी चाहत होती है। सिर्फ फिल्म के परदे पर ही नहीं, आम लोगों की जिंदगी में भी प्रेम कहानियां होती है। लेकिन, जब दर्शक उन्हें परदे पर देखता है, तो उसे वो 'लार्जर देन लाइफ' नजर आती हैं। असल में दर्शक फिल्मों के जरिए अपने प्यार के सपनों को पूरा करने की कल्पना करता है। यही वजह है कि फिल्मों में प्रेम कहानियों पर बनी फिल्में ज्यादा पसंद की जाती हैं और बॉक्स ऑफिस पर ऐसी फिल्में कमाई का रिकॉर्ड बनाती हैं। दरअसल, सिनेमा में प्रेम कथाओं का इतिहास समृद्ध और विविधता से भरा रहा है। शुरुआती दौर से आज तक प्रेम, रोमांस और कोमल भावनाओं को प्रमुख विषय के रूप में फिल्माया जाता रहा है, जो दर्शकों की भावनाओं के साथ गहराई से जुड़ता है। फिल्म इतिहास में 1930 से 1950 के दशक में प्रेम कहानियों को सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों के संदर्भ में दर्शाया गया था। उस दौर में 'देवदास' जैसी फिल्में बनी जिसने प्रेम, त्याग और सामाजिक बंधनों जैसे मसलों को उजागर किया। तब प्रेम को आदर्शवादी और भावनात्मक रूप से चित्रित किया जाता था। इसके बाद फिल्में आजादी की कहानियों में उलझ गई। वहीं 1960–70 का दशक फिर प्रेम कहानियों से गुलजार रहा। इस दौरान प्रेम कहानियों में अधिक यथार्थवादी और समकालीन विषयों को शामिल किया गया। 'प्रेम कहानी' और 'लव स्टोरी' जैसी फिल्मों ने प्रेम और व्यक्तिगत संघर्षों के जटिल पहलुओं को दर्शाया। मनोरंजन के साथ इन फिल्मों ने प्रेम, दोस्ती और पारिवारिक रिश्तों के बदलते स्वरूपों पर भी प्रकाश डाला। वहीं 1980–90 के दशक की प्रेम कहानियों में संगीत, नृत्य और भावनात्मक दृश्यों का अधिक उपयोग किया गया। 'मैंने प्यार किया' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्मों ने युवा दर्शकों को आकर्षित किया और प्रेम को सुखद और आशावादी दृष्टिकोण से चित्रित किया। इन फिल्मों ने प्रेम, दोस्ती, और परिवार के महत्व पर जोर दिया। लेकिन, 2000 के बाद की लव स्टोरी में सामाजिक मुद्दे, अंतर–सांस्कृतिक प्रेम और प्रेम के विभिन्न रूप शामिल किए गए। 'गदर' और 'तेरे नाम' जैसी फिल्मों ने प्रेम, देशभक्ति और सामाजिक संघर्षों के बीच के जटिल संबंधों को उजागर किया। सच्ची घटनाओं पर बनी 'छपाक' जैसी फिल्में भी पसंद की गई। 'सैयारा' की सफलता की एक बड़ी वजह यह भी मानी जा सकती है कि दर्शक ओटीटी की उन फिल्मों और वेब सीरीज से ऊब चुके हैं, जिनमें हिंसा और खून खराबा ज्यादा हो। रणवीर कपूर की 'एनिमल' जैसी फिल्में भी कम नहीं। ऐसे माहौल में दर्शकों को कुछ अलग से मनोरंजन की जरूरत थी, जिसे 'सैयारा' ने काफी हद तक पूरा किया। देखा जाए तो फिल्म के कथानक में कोई नयापन नहीं है, जो दर्शकों को बांधकर रखे। ये फिल्म दक्षिण कोरिया की 2004 में आई फिल्म 'ए मोमेंट टू रिमेंबर' का अनऑफिशियल अडॉप्टेशन है। इसी कहानी पर 2008 में अजय देवगन की फिल्म 'मैं, तुम और हम' आ चुकी है। इसमें काजोल का किरदार अल्जाइमर से पीड़ित होता है। इस फिल्म से प्रभावित 'सैयारा' की कहानी लिखते समय ध्यान रखा गया कि खून खराबा से ऊबे दर्शकों को कैसे भावनात्मक तरीके से रुलाया जाए। नायक और नायिका में तालमेल भी मुश्किल से बनता है, पर जब दोनों एक–दूसरे की पीड़ा को समझते हैं, तो जुड़ जाते हैं। शराबी बाप का परेशान बेटा और अल्जाइमर की मरीज लड़की में नजदीकी बढ़ जाती है और इमोशनल दर्शक फिल्म को हिट करा देते हैं। आज के दौर में प्रेम कथा की नई परिभाषा रची है फिल्म 'सैयारा' ने। बिना प्रचार के आई नए कलाकारों की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का कीर्तिमान रचा। हालांकि कहानी में कोई नयापन नहीं। 'सैयारा' की नई जोड़ी अहान पांडे और अनीता पड्डा में दर्शकों को नयेपन का अहसास हुआ। इसी ताजगी ने 'सैयारा' को सफलता दिलाई। हिंदी सिनेमा की करीब सवा सौ साल की यात्रा में दर्शकों को हमेशा से युवा सितारों की चाहत रही, जो बड़े परदे के जरिए उनके दिलों को धड़काए रखें। हालांकि, सिनेमा के शुरुआती दौर में हीरो कहीं से युवा दिखाई नहीं देते थे। फिर भी उन दिनों की परिस्थितियों के चलते दर्शक उनके आकर्षण में बंधे रहे।सिनेमा में प्रेम कहानियां वाली फिल्मों में नए चेहरों को सामने लाने की एक परंपरा सी रही है। इतिहास गवाह है कि फिल्मों में नई उम्र की नई फसल लगाने के लिए प्यार की खेती सबसे ज्यादा उपजाऊ रहती है। फिर चाहे वह बॉबी (ऋषि कपूर–डिंपल कपाड़िया), ट्विंकल खन्ना–बॉबी देओल (बरसात), कुमार गौरव–विजयता पंडित (लव स्टोरी), संजय दत्त–टीना मुनीम (रॉकी),सनी देयोल–अमृता सिंह (बेताब), कमल हासन–रति अग्निहोत्री (एक दूजे के लिए), आमिर खान (कयामत से कयामत तक) हो या सलमान खान–भाग्यश्री (मैंने प्यार किया) हो। ये सभी पहली बार परदे पर आए थे। अजय देवगन–मधुश्री (फूल और कांटे), रितिक रोशन–अमीषा पटेल (कहो ना प्यार है), राहुल रॉय–अनु अग्रवाल (आशिकी), शाहिद कपूर–अमृता राव (इश्क–विश्क), दीपिका पादुकोण–शाहरुख खान (ओम शांति ओम), इमरान खान (जाने तू या जाने ना), रणबीर सिंह–अनुष्का सिंह (बैंड बाजा बारात), आलिया भट्ट–सिद्धार्थ–वरुण (स्टूडेंट ऑफ द ईयर) आदि भी नए चेहरे थे। प्रेम कहानियों के मामले में फिल्म जगत हमेशा से अमर रहा है। 'मुगल–ए–आजम' और 'देवदास' से लगाकर 'सैयारा' तक हर बार प्यार के रूहानी जज्बात को दर्शकों ने पसंद कर अपने दिलों में बसाया। हिंदी फिल्मों की अमर प्रेम कहानियों की फेहरिस्त बहुत लंबी और समृद्ध है। मुगल–ए–आजम, आवारा, कागज के फूल, प्यासा, साहिब बीवी और गुलाम, पाकीजा, कश्मीर की कली, आराधना, सिलसिला, दिल है कि मानता नहीं, साजन, दिल, उमराव जान, 1942 ए लव स्टोरी,दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है, कल हो न हो, जब वी मेट जैसी फिल्मों के बाद फिल्मों में यंग जनरेशन के प्यार को परिभाषित करने के लिए प्रेम कथाएं रची गई। जिसमें हीरो, रहना है तेरे दिल में, बचना ऐ हसीनों, सलाम नमस्ते, लव आजकल, ये जवानी है दीवानी, वेक अप सिड, अजब प्रेम की गजब कहानी, रॉकस्टार, बर्फी, टू स्टेट्स, आशिकी टू,कॉकटेल, शुद्ध देसी रोमांस, तनु वेड्स मनु, मसान, तमाशा, ऐ दिल है मुश्किल, बरेली की बर्फी जैसी कई फिल्में रही जिनकी गिनती तो खत्म होने से रही।

अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे पर इन रियल लाइफ बॉलीवुड गर्लफ्रेंड जोड़ियों से सीखें दोस्ती निभाने का अंदाज

जैसे ही फ्रेंडशिप डे करीब आता है, यह समय है बॉलीवुड के उन सितारों की सच्ची और दिल से जुड़ी दोस्तियों को सेलिब्रेट करने का, जो ना सिर्फ ऑन–स्क्रीन बल्कि ऑफ–स्क्रीन भी एक–दूसरे के साथ खास बॉन्ड शेयर करते हैं। आइए नजर डालते हैं उन रियल–लाइफ बेस्ट फ्रेंड्स पर, जो दोस्ती को स्टाइल और सच्चाई दोनों के साथ परिभाषित करते हैं।

ऋचा चड्ढा और दिया मिर्जा

यह जोड़ी सिर्फ फिल्मों से नहीं, बल्कि अपने समान विचारों से भी जुड़ी हुई है। क्लाइमेट चेंज हो, सस्टेनेबिलिटी या महिला सशक्तिकरणकृदोनों इन सामाजिक मुद्दों के लिए अपनी आवाज उठाती हैं। इनकी दोस्ती में आपसी इज्जत और समझ की खूबसूरती झलकती है। ये दिखाती हैं कि जब सोच मिलती है, तो रिश्ते और भी गहरे हो जाते हैं।

श्वेता त्रिपाठी और मल्लिका दुआ

श्वेता और मल्लिका की दोस्ती मस्ती, ईमानदारी और अपनेपन से भरी हुई है। इनकी सोशल मीडिया पोस्ट्स में मस्तीभरे पलों से लेकर दिल से लिखे गए बर्थडे मैसेज तक, सब कुछ दोस्ती की सच्ची झलक दिखाते हैं। दोनों एक–दूसरे के करियर और निजी जिंदगी में मजबूत सपोर्ट सिस्टम हैं।

मौनी रॉय और दिशा पाटनी

ये दोनों सिर्फ फैशन की दिवानी नहीं, बल्कि एक–दूसरे की मोटिवेशन भी हैं। चाहे छुट्टियों पर जाना हो, जिम में पसीना बहाना हो या रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरना होकृ इनकी बॉन्डिंग हर बार नजर आती है। इनकी दोस्ती में फिटनेस, आत्मनिर्भरता और पॉजिटिव एनर्जी का परफेक्ट मिक्स है।

सई मांजरेकर और राशा ठडानी

नई पीढ़ी की ये दो अभिनेत्रियाँ बॉलीवुड में कदम रखते ही अपनी दोस्ती से सबका ध्यान खींच रही हैं। फिल्मी परिवारों से होने के बावजूद, इनका रिश्ता सिर्फ बैकग्राउंड पर नहीं बल्कि अपनेपन और एक जैसी जर्नी को लेकर बना है। इनकी दोस्ती ताजगी और भरोसे की मिसाल है।

अनन्या पांडे और शनाया कपूर

बचपन से साथ बड़ी हुई ये जोड़ी अब बॉलीवुड में अपनी पहचान बना रही है। स्कूल के दिनों से लेकर आज तक, ये दोस्त हर कदम पर एक–दूसरे के साथ खड़ी हैं। इनका रिश्ता दिखाता है कि कैसे वक्त और कामयाबी के बावजूद सच्ची दोस्ती कभी नहीं बदलती।

नेहा धूपिया और सोहा अली खान

नई पीढ़ी की मॉम्स के तौर पर इनकी दोस्ती में समझदारी, मस्ती और आपसी सहयोग झलकता है। बच्चों की प्लेडेट्स से लेकर गंभीर बातचीत तक, इनका रिश्ता बेहद ग्राउंडेड और मजबूत है। ये दोस्ती दिखाती है कि असली रिश्ते शोर से नहीं, गहराई से बनते हैं।

करीना कपूर खान और मलाइका अरोरा

बॉलीवुड की सबसे आइकोनिक बेस्ट फ्रेंड्स में से एक करीना और मलाइका का रिश्ता सालों से अटूट है। इनका गर्ल गैंग हर किसी के लिए इंस्पिरेशन है। चाहे योगा सेशन हो, पार्टीज या वेकेशन,इनकी दोस्ती हमेशा ग्लैमरस होने के साथ–साथ रियल भी रही है।

ट्विनिंग लुक और हाथों में हाथ...वीर पहाड़िया संग तारा सुतारिया की लेट नाइट डिनर डेट,हसीना को प्रोटेक्ट करते हुए दिखे एक्टर

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिय इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई है। एक्ट्रेस पिछले कुछ समय से वीर पहाड़िया के साथ देखा जा रहा है। दोनों एक–दूसरे साथ घूम रहे हैं। सोशल मीडिया पर लगातार बज जारी है कि तारा वीर को ही डेट कर रही है। दोनों को हाल ही में मुंबई में डिनर डेट पर साथ देखा गया। तारा ने इस दौरान लेपर्ड प्रिंट बॉडीसूट और ओवरसाइज ब्लैक शर्ट जैकेट की तरह पहन रखी थी।इसके साथ उन्होंने ब्लैक पंप्स और एक छोटा हैंडबैग कैरी किया हुआ था। तारा का सिग्नेचर ग्लॉसी बॉब हेयरस्टाइल भी सबका ध्यान खींच रहा था। वहीं वीर भी पूरी तरह ब्लैक लुक में नजर आए।उन्होंने फिटेड ब्लैक टी–शर्ट और रिलैक्स्ड ट्राउजर्स पहन रखे थे। दोनों साथ चलते हुए काफी करीब दिखे और वीर का हाथ तारा के पास ही था। तारा को भी वीर की ओर हाथ बढ़ाते हुए देखा गया। हाल ही में तारा सुतारिया ने रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट में अपने रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया, क्या वे रिलेशनशिप में हैं?, तो तारा मुस्कराते हुए बोलीं– हां, मैं बहुत खुश हूं! बहुत ज्यादा। उन्होंने ये भी कहा कि वे और उनके पार्टनर साथ में स्टारगेजिंग यानी तारों को निहारना पसंद करते हैं। तारा ने मजाक में कहा–चौदहवीं का चांद वाली फीलिंग आती है। हालांकि, पॉडकास्ट में तारा ने सीधे तौर पर वीर का नाम नहीं लिया, लेकिन फैंस ने दोनों को जोड़ना शुरू कर दिया है। जबसे वे एक साथ पब्लिक अपीयरेंस दे रहे हैं और एक–दूसरे की केयर करते नजर आते हैं तबसे ये साफ हो गया है कि तारा और वीर के बीच कुछ खास चल रहा है। बता दें वीर से पहले तारा कपूर खानदान के चिराग आदर जैन को डेट कर रही थीं जिन्होंने इसी साल किसी और से शादी रचाई थी। वहीं वीर पहाड़िया तारा से पहले सारा अली खान को डेट कर रहे थे। इतना ही नहीं उनका नाम मानुषी छिल्लर के साथ जुड़ चुका है हालांकि उन्होंने एक्ट्रेस को सिर्फ दोस्त बताया था।

पति विक्की जैन की बर्थडे पार्टी में टीवी की हसीनाओं संग अंकिता लोखंडे ने मचाया धमाल, मनीषा-निया ने दिखाई झलक

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने 1 अगस्त को अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। इसके लिए कपल ने लोनावला में अपने दोस्तों के लिए शानदार पार्टी रखी थी। इस पार्टी में विक्की और अंकिता के साथ कई टीवी स्टार्स शामिल हुए जिनकी झलक मनीषा रानी ने सोशल मीडिया पर दिखाई। मनीषा रानी ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर विक्की जैनकी बर्थडे पार्टी से कई सारी तस्वीरें और वीडियोज शेयर की हैं जिनमें वो कभी बर्थडे बॉय संग डांस करती दिखी तो कभी तेजस्वी प्रकाश और निया शर्मा के साथ सेल्फी लेती हुई नजर आई। पार्टी से और भी कई सारे वीडियोज इंटरनेट पर सामने आए हैं जिसमें शालीन भनोट, ईशा मालवीय, समर्थ जुरैल, अभिषेक कुमार, निया शर्मा समेत कई टीवी स्टार्स विक्की के बर्थडे का जश्न मनाते हुए नजर आए। निया शर्मा ने भी विक्की की पार्टी से कई तस्वीरे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो अंकिता लोखंडे और विक्की के साथ पूल में मस्ती करती हुई दिखाई दी थी। इस पार्टी में अंकिता संग 'पवित्र रिश्ता' में काम करने वाली भी एक्ट्रेसेस शामिल हुई थी।

क्योंकि सास भी कभी बहु थीः बरसों बाद टीवी पर कमबैक करेंगी मंदिरा बेदी! लौटेगी तुलसी की सौतन!

टीवी और फिल्म एक्घ्ट्रेस मंदिरा बेदी बरसों बाद कमबैक कर सकती हैं। जी हां, नब्घ्बे के दशक में दूरदर्शन के सीरिलय शांति से हर घर में पहचान बनाने वालीं मंदिरा एकता कपूर के शो क्घ्योंकि सास भी कभी बहू थी रीबूट में नजर आ सकती हैं हालांकि मेकर्स या मंदिरा की ओर से अभी तक इस बारे में कोई घोषणा नहीं हुई है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मंदिरा बेदी के अलावा मेकर्स मौनी रॉय और पुलकित सम्राट को भी शो में वापस लाने की तैयारी कर रहे हैं। इन दोनों ने क्योंकि सास भी कभी बहू थी में कृष्णा तुलसी और लक्ष्य की भूमिका निभाई थी। हालांकि, ये भी कहा गया है कि इस रीबूट वर्जन में इस बार इन दोनों कलाकरों के रोल छोटे होंगे।मंदिरा ने सीरियल के पहले सीजन में डॉ. मंदिरा कपाड़िया का रोल निभाया था। उनके इस किरदार की वजह से वीरानी परिवार में खूब कलह पैदा हुई थी। साल 1995 में बड़े पर्दे पर दिलवाले दुल्घ्हनिया ले जाएंगे से डेब्घ्यू करने वाली मंदिरा बेदी ने 1994 में शांति से टीवी पर डेब्घ्यू किया था। इसके बाद वह पॉपुलर शोज में भी नजर आईं। मंदिरा को आखिरी बार 2005 में सीआईडी स्घ्पेशल ब्घ्यूरो में एक्घ्टिंग करते हुए देखा गया था। मंदिरा बेदी ने इस बीच ओटीटी पर भी अपना दबदबा दिखाया। वह 2023 में आर माधवन और केके मेनन की सीरीज द रेलवे मैन में नजर आई थीं।

राष्ट्रीय पुरस्कार कला और सिनेमा के प्रति मेरे समर्पण को मान्यता : रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में दमदार अभिनय के लिए शुक्रवार को अपने करियर का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। रानी ने कहा कि यह पुरस्कार न केवल उनके तीन दशक के फिल्मी करियर को, बल्कि कला और सिनेमा के प्रति उनके समर्पण को मिली मान्यता का प्रमाण है। उन्होंने कहा, ''मैं 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में निभाए गए किरदार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पाकर बेहद खुश हूं। संयोग से, यह मेरे 30 साल के फिल्मी करियर का पहला राष्ट्रीय पुरस्कार है। एक अभिनेत्री के रूप में, मैं भाग्यशाली रही हूं कि मेरे खाते में कुछ बेहद शानदार फिल्में शामिल हैं और मुझे उनके लिए बहुत प्यार मिला है। मैं 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में मेरे अभिनय को सम्मानित करने के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जूरी का आभार व्यक्त करती हूं।'' रानी ने कहा, ''मेरे लिए यह पुरस्कार मेरे 30 वर्षों के करियर, कला के प्रति मेरे समर्पण, जिसके साथ मैं गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव महसूस करती हूं, और सिनेमा तथा हमारे इस खूबसूरत फिल्म उद्योग के प्रति मेरे जुनून को मिली मान्यता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस उपलब्धि को फिल्म की पूरी टीम, मेरे निर्माता निखिल आडवाणी, मोनिशा और मधु, मेरी निर्देशक आशिमा छिब्बर और उन सभी लोगों के साथ साझा करती हूं, जिन्होंने मातृत्व की ताकत का जश्न मनाने वाली इस खास फिल्म पर काम किया।

मुंह के छालों से हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द दिखेगा असर

पेट की गर्मी शांत करने का सबसे अच्छा और आसान तरीका खुद को हाइड्रेट रखना है। मुंह के छालों को डवनजी न्सबमते कहते हैं। भले ही यह सुनने में साधारण लगता है, लेकिन इसका दर्द इतना भयानक होता है कि न तो कुछ खाया जाता है, न कुछ पिया जाता है।

गर्मियों में हम सभी को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। क्योंकि इस मौसम में जरा सी लापरवाही बरतने पर आप बीमार पड़ सकते हैं। गर्मियों में अधिकतर पेट से जुड़ी दिक्कतें होती हैं। अगर पेट साफ नहीं होगा, तो इसका सीधा असर आपके चेहरे से लेकर मुंह तक नजर आएगा। वहीं गर्मियों में शरीर में पानी की कमी होने पर कई बीमारियां बढ़ जाती हैं। इन्हीं में से एक समस्या मुंह में छाले निकलना है।

पेट की गर्मी की वजह से मुंह में छाले निकलने लगते हैं। पेट की गर्मी शांत करने का सबसे अच्छा और आसान तरीका खुद को हाइड्रेट रखना है। मुंह के छालों को डवनजी न्सबमते कहते हैं। भले ही यह सुनने में साधारण लगता है, लेकिन इसका दर्द इतना भयानक होता है कि न तो कुछ खाया जाता है, न कुछ पिया जाता है। साथ ही बोलने में भी दिक्कत होती है। ऐसे में अगर आपको भी मुंह के छाले की समस्या बार–बार होती है, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर मुंह के छालों की समस्या से निजात पाई जा सकती है।

शहद

मुंह के छालों के लिए शहद रामबाण इलाज साबित हो सकता है। शहद एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। कुछ देर के लिए शहद को छालों पर लगाएं। इसके बाद कुल्ला करें। इससे छाले तेजी से ठीक होंगे।

फिटकरी का पानी

फिटकरी एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होती है। फटकरी छालों को जल्दी ठीक करता है। इसके लिए ज्यादा मेहनत करने की भी जरूरत नहीं है। इसके लिए सादे पानी में आधा चम्मच फिटकरी पाउडर मिला लें। फिर इस पानी से कुल्ला करें। इस नुस्खे से छालों के दर्द में आराम मिलता है। आप दिन में दो बार यह नुस्खा अपना सकते हैं।

नमक

छालों से राहत पाने के लिए नमक बेहतरीन उपाय साबित हो सकता है। नमक छालों की सूजन कम करता है और दर्द में भी आराम मिलता है। एक कप गुनगुने पानी में एक चम्मच नमक मिलाकर उस पानी से कुल्ला करें।

दही

दही में प्रोबायोटिक पाया जाता है। इसको खाने से पेट की गर्मी शांत होती है और जब पेट की गर्मी शांत होगी, तो मुंह के छाले भी फटाफट ठीक हो जाएंगे।

नारियल का तेल

मुंह के छालों को ठीक करने के लिए नारियल का तेल भी फायदेमंद हो सकता है। यह एक नेचुरल मॉइस्चराइजर है, जोकि इंफ्केशन को रोकता है। साथ ही नारियल का तेल छालों के दर्द से भी निजात दिलाता है। दिन में कम से कम तीन बार नारियल का तेल छालों पर लगाएं।

हर दिन झड़ रहे हैं बाल, रात की ये 1 गलती पड़ सकती है भारी, वक्त रहते संभल जाओ वरना उड़ जाएंगे सारे बाल

आजकल बाल झड़ना एक आम समस्या बन चुकी है। इसका एक बड़ा कारण हमारी खराब जीवनशैली और बिगड़ी हुई डाइट है। कई बार लोग मौसम को भी बाल झड़ने का कारण मानते हैं। दरअसल, हर मौसम में कुछ न कुछ बदलाव होते हैं जिनका असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। लेकिन बारिश के मौसम में बाल सबसे ज्यादा झड़ते हैं। इस मौसम में न सिर्फ बाल कमजोर होते हैं, बल्कि गंजेपन का डर भी सताने लगता है। हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल की सलाह तो सब देते हैं... मगर एक गलती हम रोज कर रहे हैं अब तक आपने बालों को मजबूत बनाने के लिए अच्छी डाइट और सही लाइफस्टाइल की सलाह कई लोगों से सुनी होगी। लेकिन हम यहां आपको एक ऐसी गलती के बारे में बताएंगे, जिसे हम सभी अक्सर फायदे की चीज समझकर करते हैं, लेकिन असल में वही गलती हमारे बालों को और नुकसान पहुंचा सकती है।

रात की एक गलती जो आपको बना सकती है गंजा

जी हां, हम बात कर रहे हैं रात को सोने से पहले बालों में तेल लगाने की आदत की। आपको सुनकर हैरानी हो सकती है लेकिन यही आदत आपके बालों के झड़ने का कारण बन सकती है। तेल लगाना जरूरी है, लेकिन कैसे और कब–ये जानना ज्यादा जरूरी है। बालों में तेल लगाना एक हेल्दी आदत मानी जाती है। इससे बालों को पोषण मिलता है, स्कैल्प की मालिश होती है और जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन रातभर तेल लगाकर सो जाना सही तरीका नहीं है। डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. सुगन्या नायडू के मुताबिक, रात को तेल लगाकर सोने से कई नुकसान हो सकते हैं।

डॉक्टर क्या कहती हैं इस बारे में?

डॉ. सुगन्या बताती हैं कि ज्यादातर लोग सोचते हैं कि अगर वे बालों में भरपूर तेल लगाकर रातभर छोड़ देंगे, तो इससे बाल मजबूत होंगे और झड़ना बंद हो जाएगा। लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है।

रातभर तेल लगाने से होते हैं ये नुकसानः

तकिया ऑयली हो जाता है, जिससे उसमें धूल और गंदगी जम जाती है।

समय पर तकिया साफ न करने से चेहरे पर पिंपल्स और स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

तेल पूरी तरह से स्कैल्प में नहीं समाता और उल्टा स्किन पोर्स को ब्लॉक कर देता है, जिससे हेयर फॉल बढ़ सकता है।

तो तेल कब और कैसे लगाएं?

डॉक्टर के मुताबिक, बाल धोने से लगभग 45 मिनट पहले हल्का गुनगुना तेल लगाकर मालिश करें। फिर शैंपू से सिर धो लें। इससे बालों को पोषण भी मिलेगा और गंदगी भी नहीं जमेगी।

कुछ और गलतियां जो बालों को नुकसान पहुंचाती हैं

रोजाना शैंपू करना

कई लोग सोचते हैं कि सिर को साफ रखने के लिए रोज शैंपू करना चाहिए। हफ्ते में 4–5 बार शैंपू करना भी आम बात हो गई है। लेकिन डॉक्टर कहते हैं कि बार–बार शैंपू करने से हमारी स्कैल्प का नेचुरल ऑयल खत्म हो जाता है। इससे बाल ड्राय और कमजोर हो जाते हैं। साथ ही स्कैल्प जल्दी ऑयली हो जाती है, जिससे बाल जल्दी गंदे दिखते हैं। हफ्ते में सिर्फ 2–3 बार जेंटल शैंपू करें। बाकी दिनों में केवल साफ पानी से सिर धोना काफी है।

झाग वाला शैंपू ज्यादा अच्छा नहीं होता

अक्सर लोग सोचते हैं कि जिस शैंपू में ज्यादा झाग बनता है, वो बेहतर सफाई करता है। लेकिन ये सच नहीं है। डॉ. नायडू बताती हैं कि झाग वाला शैंपू केमिकल्स से भरपूर होता है। ये केमिकल्स धीरे–धीरे बालों को रूखा, बेजान और फ्रिजी बना देते हैं। माइल्ड और नैचुरल इंग्रीडिएंट्स वाला शैंपू चुनें। शैंपू करते समय बहुत ज्यादा झाग की उम्मीद न करें।

बार–बार हीट स्टाइलिंग करना

आजकल हर कोई सुंदर दिखने के लिए हेयर स्टाइलिंग टूल्स जैसे स्ट्रेटनर, कर्लर, ड्रायर का इस्तेमाल करता है। लेकिन ये सभी चीजें बालों को अंदर से जला देती हैं। जब बहुत जरूरी हो तभी हीट टूल्स का इस्तेमाल करें। हेयर स्टाइलिंग से पहले हीट प्रोटेक्शन स्प्रे जरूर लगाएं। कोशिश करें कि बालों को नैचुरल रहने दें।

क्या करें ताकि बाल हेल्दी रहें?

बाल धोने का सही तरीकाः हफ्ते में 2–3 बार शैंपू करें। शैंपू के बाद हमेशा कंडीशनर जरूर लगाएं, खासतौर पर बालों के सिरे (मदके) पर।

तेल लगाने का सही तरीकाः गुनगुना तेल लें, बाल धोने से 45 मिनट पहले लगाएं। स्कैल्प में हल्के हाथों से मालिश करें और फिर धो लें।

स्टाइलिंग से बचेंः बालों को स्ट्रेटनर, कर्लर और हेयर ड्रायर से दूर रखें। नैचुरल टेक्सचर अपनाएं, बालों को खुला छोड़ें।

हेल्दी डाइट अपनाएंः प्रोटीन, आयरन, विटामिन ठ और बायोटिन युक्त चीजें खाएं। जैसे दृ दालें, हरी सब्जियां, ड्राई फ्रूट्स, अंडा, दूध, दही, और ताजे फल। बालों की देखभाल कोई एक दिन की बात नहीं है। इसके लिए रोज की आदतें मायने रखती हैं। अगर आप बालों में तेल लगाना, शैंपू करना, और स्टाइलिंग जैसे छोटे–छोटे कामों में थोड़ी समझदारी दिखाएं, तो आप बाल झड़ने की समस्या को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

मसाले भूनते समय न करें ये 5 आम गलतियां, वरना खाने का जायका होगा खराब

भारतीय व्यंजनों की बात हो और मसालों का जिक्र न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। इंडियन फूड की जान ही मसालों में छिपी होती है। उनकी खुशबू, रंग और स्वाद मिलकर किसी भी डिश को लाजवाब बना देते हैं। लेकिन क्या सिर्फ मसाले डाल देने से खाना टेस्टी बन जाता है? नहीं! मसालों को सही तरीके से भूनना भी उतना ही जरूरी है। अगर आपने मसाले भूनते वक्त छोटी–छोटी गलतियाँ कर दीं, तो पूरा स्वाद बिगड़ सकता है। और घर में कोई खाने का शौकीन हो जैसे आपकी सास तो फिर ताने सुनने के लिए तैयार रहिए! तो आइए जानते हैं कि मसालों को भूनते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पैन को जरूरत से ज्यादा गरम न करें

मसाले डालने से पहले पैन (तवा या कड़ाही) को गर्म करना जरूरी है, लेकिन अत्यधिक गर्म पैन में मसाले डालने से वो तुरंत जलने लगते हैं। इससे स्वाद कड़वा हो सकता है।

क्या करें?

पैन को मीडियम आंच पर गरम करें।

चेक करने के लिए उसमें 1–2 दाने डालें।

अगर दाने तुरंत चटकने लगें, तो समझ जाएं कि पैन ज्यादा गर्म है। थोड़ा ठंडा होने दें और फिर मसाले डालें।

मसालों को लगातार चलाते रहना है जरूरी

भूनते समय अगर आप मसालों को हिलाना भूल गए, तो एक तरफ से वो जल सकते हैं और दूसरी तरफ से कच्चे रह सकते हैं।

क्या करें?

चम्मच या कलछी की मदद से लगातार मसाले चलाते रहें।

इससे मसाले समान रूप से भूनेंगे और जलने का खतरा नहीं रहेगा।

मसालों की खुशबू और रंग दोनों बने रहेंगे।

न ज्यादा भूनें, न कम, रखें संतुलन

बहुत बार लोग सोचते हैं कि ज्यादा भूनने से स्वाद और बढ़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं होता।

ज्यादा भूनेंगे तो मसाले जल जाएंगे और उनका स्वाद कड़वा हो जाएगा।

कम भूनेंगे तो मसाले कच्चे रह जाएंगे और उनका असली स्वाद और खुशबू नहीं आएगी।

सही तरीकाः मसाले भूनते समय जब उनसे हल्की खुशबू आने लगे और उनका रंग थोड़ा गहरा हो जाए, तो समझें कि अब वे तैयार हैं।

गलत तापमान पर भूनना पड़ सकता है भारी

मसाले बहुत नाजुक होते हैं। इसलिए उन्हें भूनते समय गैस की आंच का खास ध्यान रखना जरूरी है।

तेज आंच पर भूनने से मसाले बाहर से तो जल सकते हैं लेकिन अंदर से कच्चे रहेंगे।

बहुत धीमी आंच पर भूनने से मसाले सूख सकते हैं और उनकी खुशबू उड़ सकती है।

सही तरीकाः मसालों को मीडियम आंच पर भूनना सबसे अच्छा होता है। इससे उनका स्वाद और खुशबू दोनों बने रहते हैं।

सभी मसालों को एक साथ न भूनें

हर मसाले की अपनी खासियत होती है कोई जल्दी भून जाता है तो किसी को ज्यादा समय चाहिए। जैसे धनिया और जीरा जल्दी भून जाते हैं। वहीं, दालचीनी और बड़ी इलायची को थोड़ा ज्यादा समय लगता है। अगर आप सबको एक साथ पैन में डाल देंगे तो कुछ मसाले जल जाएंगे, और कुछ कच्चे रह जाएंगे।

सही तरीकाः मसालों को अलग–अलग या उनके भूनने के समय के हिसाब से बैच में भूनें।

भारतीय खाना मसालों से ही महकता और लजीज बनता है। लेकिन अगर भूनने में गलती हो जाए, तो वह स्वाद खराब कर सकता है। ऊपर दिए गए सुझावों को अपनाकर आप अपने खाने के स्वाद को और भी खास बना सकते हैं।

रसोई में इन टिप्स को अपनाने से आसान होगा काम, हर महिला को जरूर पता होना चाहिए ये हैक्स

किचन में घर की औरतें घंटों मेहनत करती हैं, लेकिन अगर उनके काम को कुछ आसान और उपयोगी किचन टिप्स मिल जाएं। तो न सिर्फ खाना बनना तेज हो सकता है, बल्कि खाना अधिक स्वादिष्ट भी बन सकते हैं।

आज के समय में अगर किसी को थोड़ी सी मदद मिल जाए, तो न सिर्फ काम आसान हो जाता है। बल्कि इससे समय और मेहनत दोनों की बचत हो जाती है। फिर चाहे ऑफिस का काम हो या घर का। एक–दूसरे की मदद से जिंदगी बेहतर बन सकती है। किचन में घर की औरतें घंटों मेहनत करती हैं, लेकिन अगर उनके काम को कुछ आसान और उपयोगी किचन टिप्स मिल जाएं। तो न सिर्फ खाना बनना तेज हो सकता है, बल्कि खाना अधिक स्वादिष्ट भी बन सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ स्मार्ट टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से आपका काम आसान बन जाएगा।

आलू उबालने के दौरान डालें नमक और नींबू

अक्सर ऐसा होता है कि उबले हुए आलू का छिलका निकालने में समस्या होती है। ऐसे में आप आलू को उबालने के समय पानी में थोड़ा सा नींबू और नमक डालें। इससे आलू जल्दी गल जाते हैं और इनका स्वाद भी बढ़ जाता है। इससे आलू का छिलका उतारने में भी आसानी होती है।

इडली का बैटर खट्टा होने पर करें ये काम

कई बार ऐसा होता है कि इडली का बैटर खट्टा हो जाता है, जिसकी वजह से इसका स्वाद बिगड़ जाता है। वहीं अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो बैटर में थोड़ा सा नारियल का दूध मिलाएं। इससे बैटर का स्वाद बेहतर हो जाएगा।

दही जमाते समय डालें हरी मिर्च

कई बार दही जमाने के लिए थोड़ा सा भी दही नहीं मिल पाता है। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप दूध में हरी मिर्च डालकर रातभर के लिए फ्रिज में रख दें। आप पाएंगी कि सुबह दही जम चुका होगा और यह जल्दी खराब भी नहीं होता है। वहीं इस तरह से दही अच्छा जमता है।

सब्जी ज्यादा तेल सोखती हो तो ट्राई करें ये तरीका

कई बार सब्जी ज्यादा तेल सोखती है, ऐसे में आप कुछ देर के लिए सब्जी को फ्रिज में रख दें। इससे तेल सब्जी के ऊपर जम जाएगा और सब्जी भी हल्की हो जाएगी। यह नुस्खा ट्राई करने के बाद भी सब्जी का स्वाद बरकरार रहेगा।

बतौर कप्तान इंग्लैंड में चमके शुभमन

गूच का रिकॉर्ड तोड़ा, टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे भारतीय

लंदन। गिल ने न सिर्फ बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम का नेतृत्व किया, बल्कि विषम परिस्थितियों के बावजूद इंग्लैंड पर दबाव बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिलहाल भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट मैच जारी है। भारतीय टीम की दूसरी पारी में गिल 11 रन बनाकर आउट हुए जबकि पहली पारी में उन्होंने 21 रन बनाए थे। इसी के साथ गिल ने इंग्लैंड दौरे पर रिकॉर्ड्स की झड़ियां लगा दीं। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभालने वाले शुभमन गिल ने मौजूदा इंग्लैंड सीरीज में अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि भारतीय चयनकर्ताओं ने उन पर दांव लगाकर कोई गलती नहीं की है। गिल ने न सिर्फ बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम का नेतृत्व किया, बल्कि विषम परिस्थितियों के बावजूद इंग्लैंड पर दबाव बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिलहाल भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट मैच जारी है। भारतीय टीम की दूसरी पारी में गिल 11 रन बनाकर आउट हुए जबकि पहली पारी में उन्होंने 21 रन बनाए थे। इसी के साथ गिल ने इंग्लैंड दौरे पर रिकॉर्ड्स की झड़ियां लगा दीं। आइये देखते हैं... ब्रैडमैन–गूच के क्लब में शामिल शुभमन भारतीय टेस्ट क्रिकेट के श्शुभश युग का आगाज हो चुका है। शुभमन गिल ने रोहित शर्मा के द्वारा खाली किए गए स्थान के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है। वह इस सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 10 पारियों में 75.4 के औसत से बल्लेबाजी करते हुए 754 रन बनाए हैं। इसमें चार शतक भी शामिल हैं। गिल एक टेस्ट सीरीज में बतौर कप्तान सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ग्राहम गूच का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दरअसल, गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ बतौर कप्तान 752 रन बनाए थे। अब गिल ने 754 रन बनाकर उनका रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। इस मामले में शीर्ष पर सर, डॉन ब्रैडमैन हैं जिन्होंने 1936ध्37 में इंग्लैंड के खिलाफ कप्तान रहते हुए 810 रन बनाए थे। गिल टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे भारतीय गिल ने इंग्लैंड दौरे पर चार शतक लगाए जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है। वह किसी टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। इस मामले में शीर्ष पर सुनील गावस्कर का नाम दर्ज है, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज दौरे पर 774 रन बनाए थे। अब गिल के नाम इंग्लैंड दौरे पर 754 रन दर्ज हो गए। तीसरे स्थान पर भी सुनील गावस्कर का ही नाम है, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में 732 रन बनाए। चौथे स्थान पर यशस्वी जायसवाल का नाम दर्ज है जिन्होंने 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 712 रन बनाए थे। पांचवें पायदान पर विराट कोहली का नाम है, जिन्होंने 2014ध्15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 692 रन बनाए थे। सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने वाले विदेशी कप्तान इस दौरे पर दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विपक्षी टीम के खिलाफ आक्रामक रुख अख्तियार किया।

दुबई में भारत–पाकिस्तान के बीच महामुकाबला, इन जगहों पर खेले जाएंगे एशिया कप के मुकाबले

नई दिल्ली। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को एशिया कप के मुकाबलों के लिए स्थानों का एलान कर दिया। पुरुष क्रिकेट टीम के बीच होने वाला एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को एशिया कप के मुकाबलों के लिए स्थानों का एलान कर दिया। पुरुष क्रिकेट टीम के बीच होने वाला एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मुकाबला रविवार (14 सितंबर) को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में हैं। ऐसे में रविवार (21 सितंबर) को सुपर 4 मैच में फिर से उनके आमने–सामने होने की उम्मीद है। भारत के अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ टीम इंडिया एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। भारत के सभी मैच दुबई में खेले जाने की संभावना है। भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को ग्रुप–ए में रखा गया है। ऐसे ही श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग ग्रुप–बी में हैं। एसीसी 19 मैचों के इस टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीमों को अनुमति देगा। मैच दुबई और अबू ध ाबी में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा इससे पहले नकवी ने श्एक्सश पर टूर्नामेंट की औपचारिक घोषणा की। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष भी हैं। नकवी ने पोस्ट किया, श्मुझे यूएई में एसीसी पुरुष एशिया कप 2025 की तारीखों का एलान करते हुए खुशी हो रही है। यह टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा। हम क्रिकेट के शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।श आयोजन स्थल का फैसला 24 जुलाई को हुआ एशिया कप के लिए आयोजन स्थल का फैसला 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में किया गया था। बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया था। टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआईबीसीसीआई इस टूर्नामेंट का मेजबान है। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही मैच खेलने पर आपसी सहमति जताई है। इसी के तहत इसी साल मार्च में चौंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान था, पर भारत ने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे और चौंपियनशिप अपने नाम की थी।

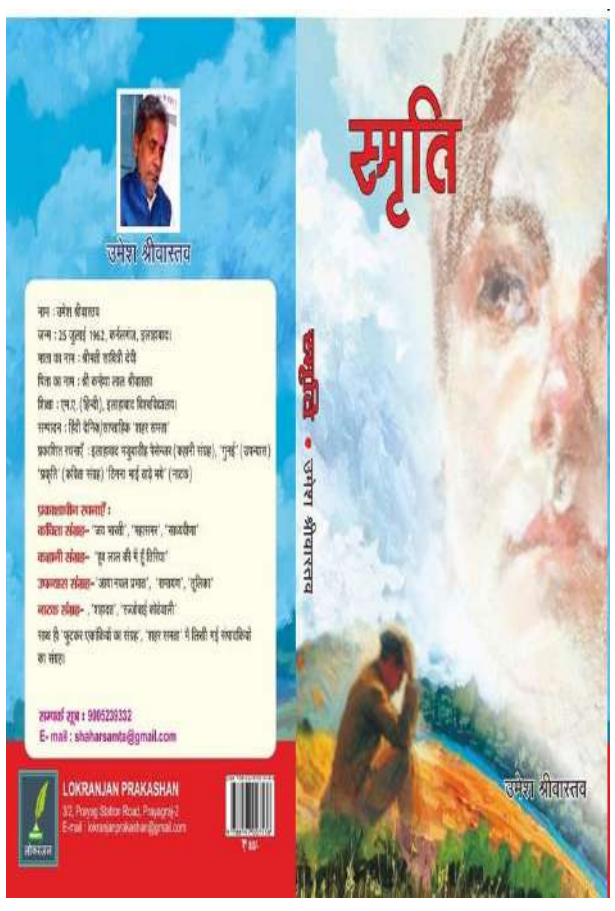

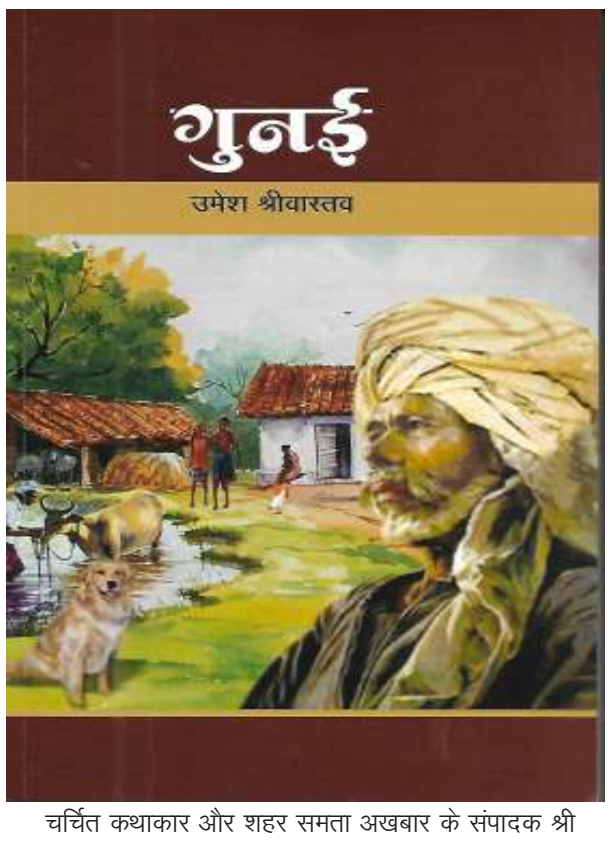

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

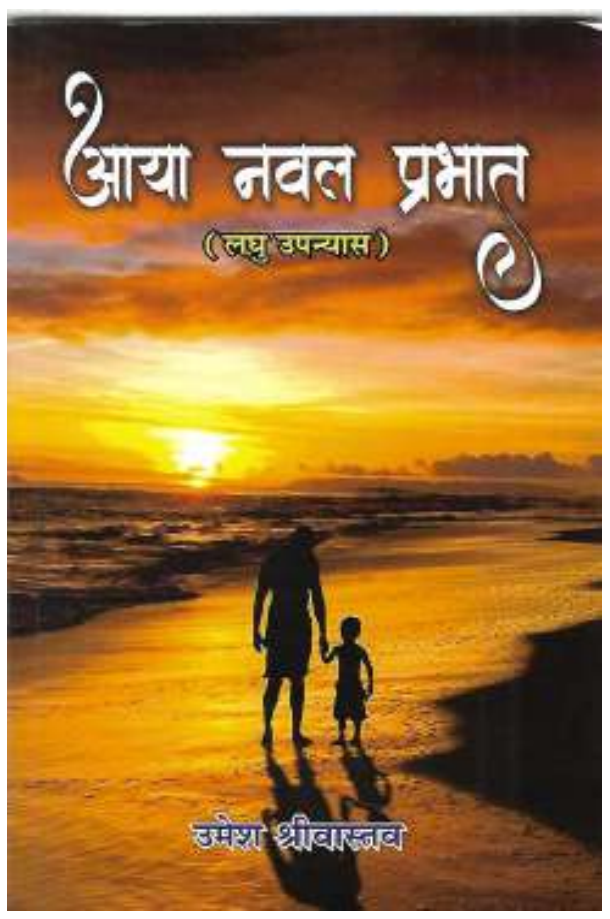

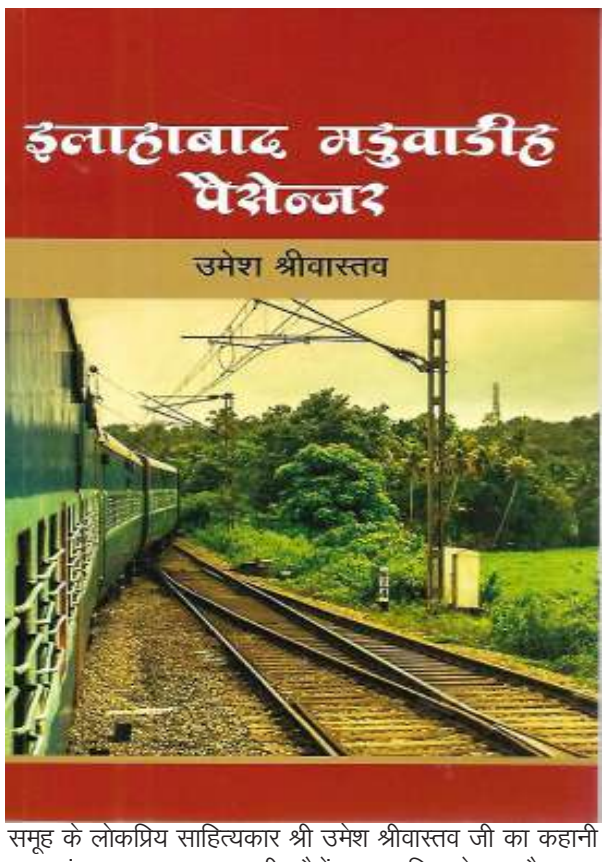

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

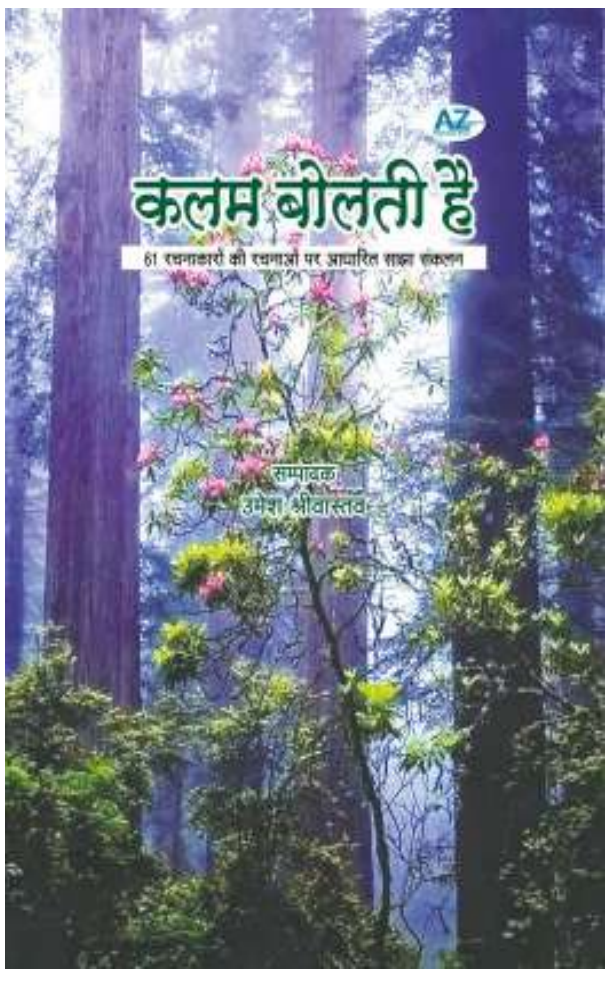

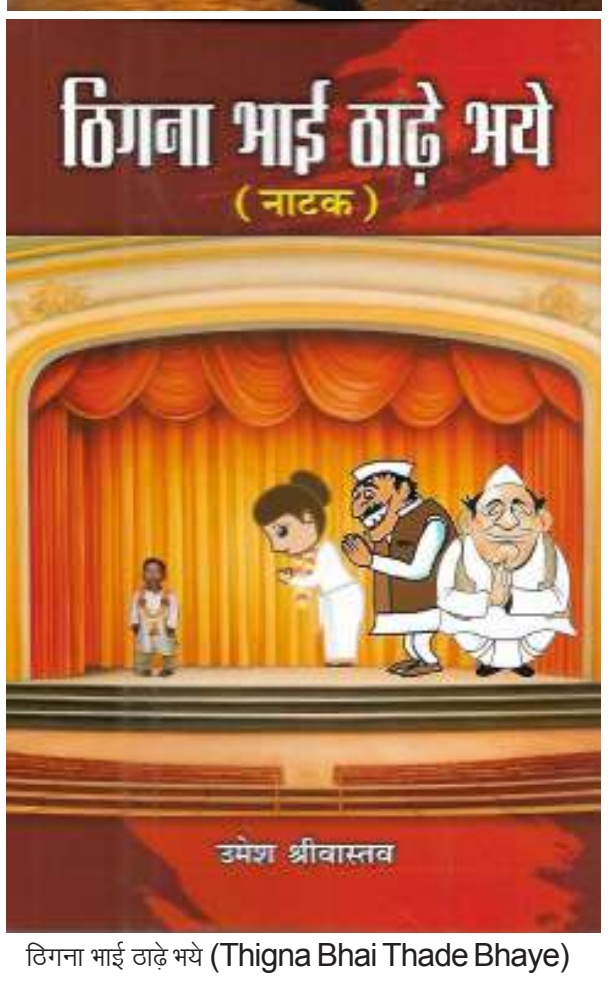

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मुंबई वानखेड़े स्टेडियम में विराट–धोनी और रोहित शर्मा के साथ दिखेंगे लियोनेल मेसी

फुटबॉल की दुनिया का बादशाह और अर्जेंटीना के वर्ल्ड चौंपियन कप्तान लियोनेल मेसी 14 साल लंबे अंतराल के बाद भारत दौरे पर आ रहे हैं। 13 से 15 दिसंबर के बीच अपने तीन दिन के भारत दौरे पर मेसी कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे। मेसी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर सम्मानित किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मेसी भारत के स्टार क्रिकेट खिलाड़ियो के साथ वानखेड़े स्टेडियम में क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले क्रिकेट मैच में मेसी के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा और एमएस धोनी जैसे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। सात–साथ खिलाड़ियों वाली टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले में दर्शकों मेसी की ड्रिब्लिंग की जगह क्रिकेट का क्लास देखने का मौका मिलेगा। ये भारतीय क्रिकेट और फुटबॉल फैंस के लिए एक अनोखा नजारा होगा। एमसीए के एक अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, मेसी 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। संभावना है कि व पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों के साथ एक क्रिकेट मैच भी खेलेंगे। आयोजक जल्द ही सभी औपचारिकताओं के फाइनल होने के बाद पूरा शेड्यूल जारी करेंगे। मेसी इससे पहले साल 2011 में भारत आए थे। उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेला था। 14 सालबाद मेसी भारत आ रहे हैं तो उनके फैंस बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे हैं।

कुछ खामियां हैं और उन्हें... एमएस धोनी ने अपनी रिटायरमेंट को लेकर भी दिया संकेत

चेन्नई सुपर किंग्स का पिछला आईपीएल सीजन अच्छा नहीं रहा। पहले ऋतुराज गायकवाड़ और फिर एमएस धोनी ने टीम का नेतृत्व किया लेकिन फिर भी कुछ नहीं बदला। वहीं एमएस धोनी ने अपने ताजा बयान में माना कि उनकी टीम में कुछ खामियां थी, जिन्हें सीएसके ने पहचाना। धोनी ने कहा कि आगामी सीजन के लिए होने वाले ऑक्शन में उनकी टीम उन खामियों को दूर करने की कोशिश करेगी। पिछले सीजन में सीएसके ने अंक तालिका में सबसे नीचे रही। 14 लीग मैचों में सिर्फ 4 में जीत मिली, 10 में हार। वहीं एमएस धोनी ने मैक्सीविजन सुपर स्पेशयलिटी आई हॉस्पिटल्स के उद्घाटन के मौके पर आईपीएल को लेकर बात की। स्पोर्टस्टार ने अपनी रिपोर्ट अनुसार धोनी ने कहा कि, कुछ कमियां थी, जिन्हें हमें दूर करना था। हम अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर चिंतित थे, लेकिन अब मुझे लगता है कि सीएसके का बल्लेबाजी क्रम काफी व्यवस्थित है। गायकवाड़ भी वापस आएंगे तो हम काफी हद तक व्यवस्थित हैं। एमएस धोनी ने कहा कि, मुझे लगता है कि हम अधिकतर बार ये पता लगाने में सफल रहे हैं कि आखिर क्या गलती हुई। दिसंबर में आईपीएल का मिनी ऑक्शन होगा, कुछ खामियां हैं और हम उन्हें दूर करने की कोशिश करेंगे। आपको टूर्नामेंट की शुरुआत में ही अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा, ऐसी योजना बनानी होगी। आपको संसाधनों को बेहतर तरीके से उपयोग करना होगा। हम अधिकतर चीजों को सुलझाने और बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

इंग्लैंड में रविंद्र जडेजा का कारनामा, गावस्कर–स्टीव वॉ का बड़ा रिकॉर्ड किया ध्वस्त

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट की पहली पारी में रविंद्र जडेजा ने 9 रन बनाए लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। इस दौरान उन्होंने 77 गेंदों पर 5 चौकों के साथ 53 रन की अहम पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बनाए जिसमें जडेजा का भी अहम योगदान रहा। जडेजा ने अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दम पर कुछ बेहतरीन रिकॉर्ड्स बनाए और अब वह इंग्लैंड में भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा र बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए और सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया साथ ही एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए और स्टीव वॉ को पछाड़ दिया है। रविंद्र जडेजा अब भारत की तरफ से इंग्लैंड की धरती पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। जडेजा ने इंग्लैंड की धरती पर अब तक टेस्ट में 33 पारियों में 1158 रन बनाए हैं जबकि सुनील गावस्कर ने 28 पारियों में 1152 रन बनाए थे। इस लिस्ट में 1575 रन के साथ सचिन तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं जिन्होंने ये रन 30 पारियों में बनाए थे। वहीं एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में जडेजा अब 5वें नंबर पर आ गए और स्टीव वॉ को पछाड़ दिया। जडेजा ने इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ 516 रन बनाते हुए वॉ को पछाड़ दिया। वॉ ने 1989 में इंग्लैंड के खिलाफ ही एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 506 रन बनाए थे।

एबी डिविलियर्स एंड टीम ने पाकिस्तान को किया परास्त, वर्ल्ड चैंपियन ऑफ लीजेंड्स का चैंपियन बना साउथ अफ्रीका

वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका चौंपियंस का सामना पाकिस्तान के साथ हुआ। जहां एबी डिविलियर्स की तूफानी नाबाद शतकीय पारी के दम पर साउथ अफ्रीकी टीम ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हरा दिया और वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और फिर 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। जिसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम ने 16.5 ओवर में एक विकेट खोकर 197 रन का स्कोर चेज किया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार केसाथ ही मोहम्मद हाफीज की कप्तानी में पाकिस्तान का चौंपियन बनने का सपना टूट गया और इस टीम को उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। साउथ अफ्रीका के लिए ओपनर हाशिम अमला ने 18 रन बनाए। एबी डिविलियर्स ने पहले 24 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा और फिर उन्होंने 47 गेंदों पर शतक ठोका। इस टूर्नामेंट में उनका ये तीसरा शतक रहा।

संक्षिप्त

चिली में तांबे की खदान में फंसे पांच खनिकों में से एक का शव बरामद

चिली में तांबे की एक खदान का एक हिस्सा ढहने के बाद उसमें फंसे पांच खनिकों में से एक का शव बचाव दल ने बरामद कर लिया है। खदान 'एल टेनिएंटे' के निदेशक ने शनिवार को यह जानकारी दी। बचाव दल उन पांच खनिकों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं जो बृहस्पतिवार शाम मध्य चिली की 'एल टेनिएंटे' खदान में फंस गए थे। दरअसल इस इलाके में 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे और उसके बाद खदान के चारों ओर की चट्टानें ढह गईं और इसी क्रम में खदान का एक हिस्सा भी ढह गया था। यह खदान चिली में तांबे की सबसे बड़ी खदानों में से एक है। खनिकों तक पहुंचने के लिए 90 मीटर (295 फुट) गहरी चट्टान खोदने की कोशिश कर रहे बचाव दल के एक प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को मिला शव खदान में फंसे पांच खनिकों में से एक का है। एल टेनिएंटे के निदेशक एंड्रेस म्यूज़िक ने कहा कि अधिकारी शव की शिनाख्त की कोशिश कर रहे हैं। चिली की 'नेशनल कॉपर कॉर्पोरेशन' ने कहा कि नौ अन्य कर्मचारी घायल हुए हैं। उसने इस घटना को ''भूकंपीय घटना'' का परिणाम करार दिया।

गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम दस लोगों की मौत

इजराइली बलों ने इजराइल समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) द्वारा संचालित दो सहायता वितरण केंद्रों के निकट तब गोलीबारी कर दी जब भूखे फलस्तीनी लोग भोजन लेने के लिए एकत्र हुए थे। इस गोलीबारी में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। लगभग एक सप्ताह पहले इजराइल ने भूख से मरते बच्चों की बढ़ती घटनाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते, सीमित मानवीय सहायता और हवाई सहायता की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य गाजा के 20 लाख से अधिक लोगों तक भोजन पहुंचाना था। लेकिन संयुक्त राष्ट्र, साझेदारों और फलस्तीनियों का कहना है कि अब भी बहुत कम सहायता आ रही है, गाजा के बाहर महीनों से आपूर्ति का ढेर लगा हुआ है और वह इजराइल की मंजूरी का इंतजार है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दक्षिणी शहर राफा में जीएचएफ के संचालन स्थल से सैकड़ों मीटर की दूरी पर स्थित शाकौश क्षेत्र में कम से कम दो लोग मारे गए। निकटवर्ती खान यूनिस स्थित नासिर अस्पताल में दो शव लाये गये और कई घायलों को भर्ती कराया गया। इजराइली सेना ने कहा कि उसे इस क्षेत्र में अपनी सेना द्वारा किसी भी गोलीबारी की जानकारी नहीं है। जीएचएफ ने कहा कि उसके ठिकानों के पास कुछ भी नहीं हुआ। इजराइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने नियंत्रण वाले मार्गों को सुरक्षित बनाने के लिए काम कर रही है। इजराइल और जीएचएफ ने दावा किया है कि मृतकों की संख्या बढ़ा–चढ़ाकर बताई गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवा के प्रमुख फारेस अवाद ने बताया कि इजराइली नियंत्रण वाले जिकिम क्रॉसिंग से उत्तरी गाजा में प्रवेश करने वाले सहायता ट्रकों को सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों के एक समूह पर इजराइली हमला हुआ, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। नासिर अस्पताल ने कहा कि गाजा के दक्षिण में विस्थापित लोगों को शरण देने वाले तंबुओं पर दो अलग–अलग हमलों के बाद उसे पांच शव मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवा ने कहा कि इजराइली हमले में जवैदा और दीर अल–बलाह कस्बों के बीच एक परिवार के घर को निशाना बनाया गया, जिसमें दो अभिभावकों और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई।

अमेरिका के न्यूयॉर्क क्षेत्र में भूकंप के हल्के झटके

अमेरिका के न्यूयॉर्क के एक क्षेत्र में शनिवार रात भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.0 मापी गई। न्यूजर्सी के उपनगर हैसब्रुक हाइट्स में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जो सेंट्रल पार्क से लगभग आठ मील (13 किलोमीटर) पश्चिम में स्थित है। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन बरो के निवासी ने बताया कि भूकंप के हल्के झटके महससू किए गए।

आगरा के अरविंदर बहल 80 साल की उम्र में अंतरिक्ष में उड़ान भरकर रचेंगे इतिहास

आगरा में जन्मे और अब अमेरिका में रह रहे रियल एस्टेट निवेशक अरविंदर 'आर्वी' सिंह बहल 3 अगस्त को अंतरिक्ष की यात्रा पर निकलेंगे। भारतीय समयानुसार शाम 6 बजे, वह ब्लू ओरिजिन की पर्यटन उडान छै–34 से अंतरिक्ष में जाएंगे। 80 साल के हो चुके बहल के लिए यह साहसिक कदम उनके जीवन का एक और रोमांचक अध्याय है। पेशे से वह एक रियल एस्टेट कंपनी, बहल प्रॉपर्टीज, के अध्यक्ष हैं। यह उडान उनके असाधारण जीवन में एक और उपलब्धि जोड देगी। एक अमेरिकी नागरिक बन चुके बहल ने अपने जीवन में कई असाधारण काम किए हैं। उन्होंने दुनिया के सभी 196 देशों और सात महाद्वीपों की यात्रा की है। वह उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव पर जा चुके हैं, माउंट एवरेस्ट के ऊपर स्काईडाइविंग कर चुके हैं और गीजा के पिरामिडों का भी दौरा कर चुके हैं। उनके पास एक निजी पायलट लाइसेंस भी है। उनकी यात्राओं में उन्हें भारत और चीन सबसे ज्यादा पसंद आए। एक फोटोग्राफर के रूप में उनके पास दस लाख से ज्यादा तस्वीरों का संग्रह है। उन्होंने अपनी यात्राओं पर 'द टायरलेस ट्रैवलर' नामक एक किताब भी लिखी है।

भारत से अमेरिका तक का सफर

13 अक्टूबर, 1945 को आगरा में जन्मे बहल ताजमहल के पास पले–बढे। वह एक धर्मनिष्ठ सिख हैं। एनडीए से निकलने के बाद, उन्होंने कुछ समय दार्जिलिंग में एक चाय बागान में काम किया, और फिर 1970 में दिल्ली में परिधान निर्माण का व्यवसाय शुरू किया। 1975 में वह शसिर्फ 108 डॉलरश लेकर अपना सामान बेचने के लिए अमेरिका आए। उन्हें वह जगह पसंद आई और उन्होंने वहां बसने का फैसला किया। 1970 के दशक के अंत तक उन्हें अमेरिकी नागरिकता मिल गई। 1979 में उन्होंने पामेला से शादी की। उनके दो बच्चे और पोते–पोतियां हैं।

रियल एस्टेट में प्रवेश

काम के सिलसिले में कनाडा की यात्रा के दौरान, उन्होंने अपनी पहली संपत्ति खरीदी। जब उन्हें लगा कि इसमें अच्छा रिटर्न है, तो उन्होंने रियल एस्टेट में कदम रखा। उनका कहना है कि इस काम से उन्हें यात्रा करने का बहुत समय मिला।

ब्लू ओरिजिन की ऐतिहासिक उडान

यह मिशन पश्चिम टेक्सास से लॉन्च होगा और यह ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड कार्यक्रम की 14वीं मानव उडान होगी। अब तक यह कंपनी 70 लोगों को अंतरिक्ष की सैर करा चुकी है। इस उडान में बहल के साथ तुर्की के व्यवसायी गोखान एर्डेम, पत्रकार डेबोरा मार्टोरेल, समाजसेवी लियोनेल पिचफोर्ड, उद्यमी जेडी रसेल और ग्रेनाडा के राजदूत जस्टिन सन भी शामिल होंगे। यह रोमांचक उडान आर्वी बहल के असाधारण जीवन में एक और उपलब्धि जोड देगी।

रूस के साथ परमाणु युद्ध के लिए तैयार, सबमरीन्स की तैनाती के बाद ट्रंप ने जारी की नई चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटकीय अंदाज़ में बयानबाज़ी करते हुए घोषणा की है कि अमेरिका रूस के साथ परमाणु युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है। उनकी यह टिप्पणी वाशिंगटन और मॉस्को के बीच बढ़ते तनावपूर्ण संबंधों के बीच आई है। हालाँकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि मुझे नहीं लगता कि ऐसी स्थिति में किसी की जीत होती है। ट्रंप ने यह टिप्पणी रूसी जलक्षेत्र के पास अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती का आदेश देने के तुरंत बाद की। इस कदम से अमेरिका–रूस संबंधों में और तनाव आने की आशंका है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में ट्रंप ने बताया कि उन्होंने यह आदेश पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के बेहद भड़काऊ बयानों के जवाब में जारी किया है। जवाब में मेदवेदेव ने पलटवार करते हुए कहा कि रूस हर मामले में सही है और अपने रास्ते पर चलता रहेगा। मेदवेदेव द्वारा ट्रंप पर रूस के साथ अल्टीमेटम गेम खेलने का आरोप लगाने के बाद वाकयुद्ध और तेज़ हो गया। एक पोस्ट में उन्होंने चेतावनी दी। ट्रंप को दो बातें याद रखनी चाहिएरू पहली, रूस इज़राइल या ईरान नहीं है और दूसरी, हर नया अल्टीमेटम एक खतरा है और युद्ध की ओर एक कदम है। व्हाइट हाउस से प्रस्थान करते समय पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका रूस से जुड़ी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। पनडुब्बियों के स्थानों के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया और कहा कि हमें यह करना ही था। हमें बस सावधान रहना होगा। एक धमकी दी गई थी, और हमें लगा कि यह उचित नहीं है, इसलिए मुझे बहुत सतर्क रहना होगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं यह अपने लोगों की सुरक्षा के लिए कर रहा हूँ। जब आप परमाणु ऊर्जा की बात कर रहे हों, तो आपको तैयार रहना चाहिए। हम पूरी तरह तैयार हैं।

यूक्रेन के परमाणु केंद्र पर हमला, अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी का दावा- धमाके के बाद धुंआ उठता देखा

कीव। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने शनिवार को दावा किया है कि यूक्रेन के एक परमाणु केंद्र पर हमला हुआ है। एजेंसी ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र के नजदीक धमाके की आवाज सुनी और परमाणु केंद्र के एक हिस्से से धुंआ उठता देखा। अभी धमाके में हुए नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है।

पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ आईसीटी में मुकदमा शुरू, अंतरिम सरकार बोली– शेख हसीना सभी अपराधों की जड़

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने रविवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ मानवता के खिलाफ मुकदमा शुरू कर दिया है। यह मुकदमा उनकी गैरमौजूदगी में चल रहा है। मामला 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों को हिंसक तरीके से दबाने से जुड़ा है। अंतरिम सरकार ने उन पर मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप लगाया है। अंतरिम सरकार की ओर से नियुक्त मुख्य अभियोजक तजुल इस्लाम ने अपनी शुरुआती दलील में शेख हसीना को श्सभी अपराधों की जड़श बताया और उनके लिए अधिकतम सजा की मांग की। अभियोजन पक्ष ने इस मामले में हसीना के दो मुख्य सहयोगियों के नाम भी शामिल किए हैं। इनमें पूर्व गृह मंत्री असादुज्जमान खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल ममून शामिल हैं। आईसीटी ने हसीना पर कई आरोपों के आधार पर कार्यवाही शुरू की है। सबसे बड़ा आरोप यह है कि उन्होंने छात्र आंदोलन को दबाने के लिए हत्या और उत्पीड़न जैसी कार्रवाइयां कीं।

यह आंदोलन इतना बड़ा हो गया था कि पांच अगस्त 2024 को उनकी आवामी लीग सरकार गिर गई थी। जहां शेख हसीना और कमाल पर गैरमौजूदगी में मुकदमा चल रहा है। वहीं ममून को हिरासत में लिया गया है और उन्होंने इस मामले में सरकारी गवाह बनने पर सहमति दी है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि आने वाले दिनों में वह ऐसे लोगों को गवाह के रूप में पेश करेगा, जो विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हुए थे या जिन्होंने हिंसा को अपनी आंखों से देखा था। शेख हसीना ने पांच अगस्त 2024 को बांग्लादेश छोड़ दिया था, जब देश में अशांति बढ़ती जा रही थी। फिलहाल वह भारत में रह रही हैं।

खबरों के अनुसार, पूर्व गृहमंत्री कमाल भी बाद में भारत में शरण ले चुके हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने भारत से शेख हसीना को वापस भेजने (प्रत्यर्पण) की मांग की है। हालांकि, भारत की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं आया है।

आईसीटी की स्थापना मूल रूप से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से जुड़े युद्ध अपराधों की सुनवाई के लिए की गई थी। इस न्यायाधिकरण ने 10 जुलाई को हसीना, कमाल और ममून पर आरोप तय किए थे।

पिछले महीने हसीना को आईसीटी ने अदालत की अवमानना के मामले में छह महीने की सजा भी सुनाई थी। यह पहली बार था जब 77 वर्षीय अवामी लीग नेता शेख हसीना को किसी भी मामले में सजा सुनाई गई, जबसे उन्होंने अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री पद छोड़ा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227